हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 19 ● भिलाई, मंगलवार 04 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पानी के बहाने मजदूरों पर चला दी गोली; कुलगाम आतंकी हमले में खुलासा

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार रात आतंकियों ने छत्तीसगढ़ से रोजी-रोटी कमाने आए दो श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। शुरुआती जांच के अनुसार, इस वारदात को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लतीफ बट ने अंजाम दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, आतंकी ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले श्रमिकों के बीच करीब 15 से 20 मिनट तक बैठा रहा। उसने मजदूरों से बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उसके पास एक काला बैग था, जिसमें उसने कथित तौर पर अपनी असॉल्ट राइफल छिपा रखी थी। जब श्रमिक पूरी तरह निश्चिंत हो गए, तब आतंकी वहां से निकलने लगा। इसी दौरान उसने पानी मांगा। जैसे ही एक श्रमिक की पत्नी उसके लिए पानी लेने गई, उसने नजदीक से दोनों श्रमिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

महिला जूडो में कांस्य पदक जीतने पर उन्नति शर्मा को प्रधानमंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 63 किलोग्राम जूडो स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ी उन्नति शर्मा को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उन्नति शर्मा की प्रतिबद्धता, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने देश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि जूडो में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन्नति शर्मा भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, जूडो में भारत के लिए और अधिक गौरव! राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 63 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतने पर उन्नति शर्मा को हार्दिक बधाई। खेलों के दौरान उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

गुरुग्राम में पत्नी के तलाक मांगने पर फंदे से झूला पति, 7 वर्षीय बेटे ने बनाया वीडियो

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम शहर के सूरत नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वहां एक बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) में काम करने वाले 36 वर्षीय एसोसिएट ऑपरेटर संजीव यादव का शव उनके घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। पुलिस के अनुसार, यह कदम संजीव ने अपनी पत्नी द्वारा तलाक मांगे जाने के बाद उठाया। पुलिस अब मामले की जांच हत्या और आत्महत्या दोनों दृष्टिकोण से कर रही है। घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि जब संजीव फंदे पर लटक रहा था, तब उनके 7 वर्षीय मासूम बेटे ने मोबाइल फोन पर इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

विधानसभा उप चुनाव : बांकीपुर में प्रशांत किशोर की प्रचंड जीत, मांजलपुर में बीजेपी ने मारी बाजी; दतिया में कांग्रेस का कब्जा

भाजपा का 30 साल का गढ़ 30 दिनों में ढह -प्रशांत किशोर

नई दिल्ली। बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंजलपुर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। बिहार में जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा के गढ़ बांकीपुर में 18,953 वोटों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हराया, जबकि गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा के सतीश (सतेन्द्रभाई) पटेल ने कांग्रेस प्रत्याशी को 30,630 वोटों के बड़े अंतर से मात दी। राजधानी पटना की सबसे चर्चित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत हासिल कर ली है। अब वे बांकीपुर के विधायक बन गए हैं। 28वें राउंड की गिनती के बाद प्रशांत किशोर को कुल 59,213 वोट मिले। बीजेपी के नीरज सिन्हा से वह 19,419 वोटों आगे हैं, वहीं, अब महज 3 राउंड की गिनती बाकी है, जिसमें इस आकड़े को पार करना संभव नहीं है। इसके साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की इस सीट पर बीजेपी को बड़ी और बुरी हार का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि नितिन नबीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुए इस सीट पर उपचुनाव हुआ है। इससे पहले वे यहां से लगातार 5 बार के विधायक रह चुके हैं। 28वें राउंड तक किसे कितने वोट मिले? जन सुराज के प्रशांत किशोर को 59,213 वोट मिले। भाजपा के नीरज सिन्हा को 39,794 वोट मिले। राजद की रेखा गुप्ता की 13,260 वोट मिले। बता दें कि बांकीपुर उपचुनाव के लिए कुल 25 उम्मीदवार मैदान में थे। हालांकि चुनाव

में जन सुराज, बीजेपी और राजद के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन चुनाव के नतीजों को देखें तो यह कहना गलत नहीं होगा का बांकापुर का यह उपचुनाव तीन नहीं बल्की जन सुराज और बीजेपी दो दलों के बीच ही था। राजद की रेखा गुप्ता को इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। बांकीपुर उपचुनाव में जीत हासिल करने के साथ ही प्रशांत किशोर ने बीजेपी के उस भ्रम को भी तोड़ दिया, जिसे लेकर सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा था कि बांकीपुर से यदि कुत्ते बिल्ली को भी टिकट दे दिया जाए तो यहां से बीजेपी की ही जीत होगी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद के इस बयान को लेकर पीके चुनाव प्रचार के दौरान लगातार भाजपा पर हमलावर थे, जिसका असर नतीजों में भी देखने को मिला है। प्रशांत किशोर की जीत पर पटना स्थित कार्यालय से लेकर सड़कों तक पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। समर्थक और कार्यकर्ता एक-दूसरे को पीले रंग का गुलाल लगाकर, मिठाइयां बांटकर और ढोल-नगाड़े की थाप पर नाचते हुए अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। इस दौरान 'बांकीपुर का बेटा कैसा हो, प्रशांत किशोर जैसा हो' के नारे भी लगाए जा रहे हैं। बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की बढ़त पर उनकी पत्नी डॉ. जाह्नवी दास ने कहा कि, मैं बांकीपुर के लोगों को दिल से धन्यवाद देती हूं।

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने जीत हासिल की

दतिया विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का पहला बयान सामने आया है। आशुतोष तिवारी मतगणना स्थल पर पहुंचे और अपनी हार स्वीकार करते हुए मीडियाकर्मियों से कहा, यह जनादेश है और जनता के आदेश को हाथ जोड़कर स्वीकार करता हूं। हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने जीत हासिल की है और उन्हें 66,757 वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी के आशुतोष तिवारी को 60,741 वोट मिले हैं। यानी कांग्रेस के प्रत्याशी ने बीजेपी को 6,016 वोटों से हराया है।

पीएम मोदी दिखाएं अपनी डिग्री

मैं दिखाऊंगा स्कॉलरशिप के कागज-अभिजीत.......

नई दिल्ली। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके इन दिनों अपनी शिक्षा और पारिवारिक संपत्ति को लेकर उपजे विवादों के केंद्र में हैं। हाल ही में उनके पिता, भगवानराव दीपके, के खिलाफआय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज कराई गई है, जिस पर अब अभिजीत ने आक्रामक रुख अपनाते हुए सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर सवाल खड़ा कर दिया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब आरटीआई और सोशल एक्टिविस्ट अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार और जांच एजेंसियों को एक शिकायत सौंपी।

इस शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अभिजीत के पिता भगवानराव दीपके, जो महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम में एक जूनियर इंजीनियर थे, ने अपनी सीमित आय के बावजूद अपने बेटे को अमेरिका की महंगी बॉस्टन यूनिवर्सिटी में कैसे पढ़ाया?

गुजरात के सूरत में भारी बारिश के बाद लोग पानी से भरी सड़क से गुज़रते हुए।

निराश विनेश फोगाट बोलीं

हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है.. लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में बरी कर दिया है. बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने पर विनेश फोगाट और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी. हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपनी लड़ाई जारी रखेंगे. कोर्ट के इस फैसले से भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अफसोस व्यक्त किया है. विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट ने सोमवार को कहा कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफयौन उत्पीड़न

का मामला दर्ज कराने वाली महिला पहलवान अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करेंगी. दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया.

आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं

महिला पहलवान यौन शोषण केसः बृजभूषण सिंह बरी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए कथित यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष कानूनी मानकों के अनुरूप आरोप साबित करने में असफल रहा, इसलिए दोनों को संदेह का लाभ नहीं बल्कि सबूतों के अभाव

में बरी किया जाता है। यह महत्वपूर्ण फैसला 2 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद आया है। उस दिन अदालत ने इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जनवरी 2023 में सामने आए इस बहुचर्चित मामले में कुल 1,133 दिनों के भीतर 127 बार सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कोर्ट के इस फैसले पर देश भर की निगाहें टिकी हुई थीं। गौरतलब है कि मई 2024 में अदालत ने पूर्व डब्लूएफआई प्रमुख और पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफआपराधिक धमकी देने के मामले में आरोप तय करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उस दौरान कुल छह शिकायतकर्ताओं में से एक महिला पहलवान की शिकायत के मामले में अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त भी कर दिया था। इस पूरे मामले में अदालत ने सह-आरोपी और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय करने का आदेश दिया था।

सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी संयुक्त अभियान में एक आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शेरी क्षेत्र के फथागढ़ इलाके में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त अभियान में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह अभियान भारतीय सेना की 46 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), बारामूला पुलिस और सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन ने संयुक्त रूप से चलाया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया।

अनुराग ठाकुर-प्रवेश वर्मा को सुको से राहत

सुप्रीम कोर्ट ने वृंदा करात की रिव्यू पिटीशन को लौटाया.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कथित हेट स्पीच मामले में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा को राहत बरकरार रखी है. सुप्रीम कोर्ट ने सीपीएम नेता वृंदा करात की 29 अप्रैल के फैसले पर रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया, जिसमें अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी. उन्हें क्लीन चिट देने वाले फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर की गई थी. कोर्ट ने एफआईआर की मांग को दोबारा सुनने से मना कर दिया है. कोर्ट ने कहा था कि

कानून में पहले से पर्याप्त व्यवस्था है. दोनों नेताओं के भाषणों के मामले में कोर्ट ने कहा था, 'रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री और स्टेटस रिपोर्ट हमने सावधानीपूर्वक विचार किया. सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में दिए गए भाषणों को लेकर बीजेपी नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग को दोबारा सुनने से इनकार कर दिया है. हेट स्पीच के एक मामले में क्लीन चिट दिए जाने के फैसले के खिलाफ सीपीएम लीडर वृंदा करात सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं थीं, मगर बेंच ने उनकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी. जस्टिस विक्रम नाथ उर जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि देश के गद्दारों को, गोली मारो सालों को जैसी बात कहने से किसी संज्ञेय अपराध का मामला नहीं बनता. कोर्ट ने कहा था, 'रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री और स्टेटस रिपोर्ट हमने सावधानी पूर्वक विचार किया.

जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में बिना बहस के पास

सुप्रीम में अब 34 की जगह होंगे 38 जज...

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाले विधेयक बिल बिना बहस के लोकसभा की मंजूरी मिल चुकी है. लोकसभा ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने से जुड़े उच्चतम न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया. इसके तहत सीजेआई को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रावधान है. अब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत कुल 38 जज काम कर सकेंगे. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया. इस विधेयक का मकसद सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाना है. इससे से पहले दो बार स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. नीट पेपर लीक और राम मंदिर में कथित चंदा चोरी को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा में यह बिल बिना बहस के पास हो गया. संशोधन के तहत मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर अन्य न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है. यह विधेयक मई 2026 में राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए अध्यादेश का स्थान लेगा. सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ रहे लंबित मामलों को देखते हुए

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत बन गई थी. सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी. तब सीजेआई को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आजादी के बाद 1956 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की संक्षिप्त शुरुआती टिप्पणी के बाद पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से वैधानिक प्रस्ताव पर बोलने का आग्रह किया लेकिन नारेबाजी जारी रहने के कारण बिल को मतदान के लिए रखा गया और बाद में पारित कर दिया गया। इससे पहले पिछले सप्ताह जन्म और मृत्यु पंजीकरण में संशोधन करने वाला एक बिल भी बिना किसी बहस के पारित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 के पारित होने के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया. इस दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सांसद राम मंदिर के कथित चढ़ावा गबन और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी करते रहे.

2019 के बाद दूसरी बार बढ़ी संख्या......

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी. तब सीजेआई को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी. मेघवाल ने बताया कि आजादी के बाद 1956 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी. समय के साथ मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब एक बार फिर जजों की संख्या बढ़ाकर 38 करने का फैसला लिया गया है. सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि इससे शीर्ष अदालत में मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिलेगा.

CMYK

अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने राज्य अभिलाषा आनंद ने किया ग्राम कामता का भ्रमण

दल्लीराजहरा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सलाहकार अभिलाषा आनंद द्वारा विकासखंड डौंडी की ग्राम पंचायत कामता का भ्रमण कर एसडब्ल्यूएम रूल 2026 के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्त्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता संबंधी जनजागरुकता गतिविधियों तथा ग्राम में निर्मित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन संरचनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों द्वारा किए जा रहे नियमित कचरा संग्रहण एवं ग्रामवासियों के सहयोग से संचालित स्वच्छता गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। राज्य सलाहकार ने ग्राम पंचायत में ग्रे. वॉटर प्रबंधन के लिए निर्मित मैजिक पिट, सोख्ता गड्ढों एवं अन्य जल निकासी संरचनाओं का निरीक्षण करते हुए इनके प्रभाव का मूल्यांकन किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयासों से अपशिष्ट जल का बेहतर प्रबंधन होने के साथ-साथ भूजल पुनर्भरण, जलभराव में कमी तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान ग्राम में संचालित बायोगैस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण, संग्रहण एवं सुरक्षित प्रबंधन की प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए ,साथ ही ग्रामवासियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

एमजे कॉलेज दुर्ग में सैकड़ों युवाओं ने ली नशे से दूर रहने की शपथ, हिन्दू संगठनों ने चलाया जागरूकता अभियान

दुर्ग। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी, छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में दुर्ग स्थित एमजे कॉलेज में ÷नशा मुक्त युवा ङ्क विकसित भारत संकल्प÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया तथा छत्तीसगढ़ के राज्यगीत ÷अरपा पैरी के धार÷ का सामूहिक गायन हुआ, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से सराबोर हो गया।

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत- विश्व हिन्दू परिषद छत्तीसगढ़ के प्रांत मंत्री पूर्णेन्द्र सिन्हा ने कहा कि भारत का युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि विदेशी और राष्ट्रविरोधी ताकतें युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलकर देश की ऊर्जा को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे में हर युवा का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करे।

देशभक्ति का नशा अपनाने का आह्वान- राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने युवाओं से कहा कि यदि किसी नशे को अपनाना है तो वह केवल राष्ट्रभक्ति, देशभक्ति और समाज सेवा का होना चाहिए। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को हर युवा का व्यक्तिगत लक्ष्य बनाने का आह्वान किया।

नशे के खिलाफ एकजुट होने की अपील- राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि जब देश का युवा नशे के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होगा, तभी भारत सामाजिक बुराइयों से मुक्त होकर विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री का संदेश भी देखा गया- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रसारित राष्ट्रीय नशामुक्ति अभियान का संदेश भी सभी प्रतिभागियों ने देखा और सुना। संदेश में समाज, परिवार, विद्यालय और युवाओं से नशामुक्त भारत को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया गया।

सभी ने ली नशामुक्ति की शपथ- कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका भारती सिंह ठाकुर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और नागरिकों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई। सभी ने आजीवन नशे से दूर रहने, दूसरों को भी जागरूक करने तथा स्वस्थ, संस्कारित और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में श्रीलेखा विरुलकर, मनीष भूचासीय, राकेश रामलोचन तिवारी, रवि वाघवानी, देवेंद्र डिकोंडिया, सौरभ देवगन सहित विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के अनेक पदाधिकारी, महाविद्यालय परिवार और सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन यशपाल साहू ने किया, जबकि अंत में शुभम कुमार नाग ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक ÷वन्दे मातरम÷ के गायन के साथ हुआ, जहां सभी युवाओं ने नशामुक्त, संस्कारित और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

राजहरा में धूमधाम से मनाया जाएगा हरेली पर्व

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार हरेली को इस बार दल्ली राजहरा में बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ समन्वय समिति ने इसके लिए रणनीति तय करने और सालभर के कार्यक्रमों पर चर्चा के लिए छत्तीसगढ़ भवन, टाउनशिप में एक आवश्यक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रामदास मानिकपुरी ने की। इसमें छत्तीसगढ़ भवन के विस्तारीकरण, ओबीसी संगठन के गठन और समिति के वार्षिक कार्यक्रमों के लिए सहयोग राशि पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष रामदास मानिकपुरी ने बताया कि हरेली मिलन समारोह 12 अगस्त को दोपहर 2 बजे से छत्तीसगढ़ भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत खेती-किसानी के पारंपरिक औजारों की पूजा-अर्चना से होगी। इसके बाद छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जीवंत करते हुए विभिन्न पारंपरिक अकाल और सामूहिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। समारोह में गेंड़ी दौड़, सेक्टर दौड़, नारियल फेंक और रस्सा खींच जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग वर्ग में प्रतियोगिता कराई जाएगी। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा साथ ही पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का भी आनंद लिया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति के सुव्यवस्थित संचालन और सालभर होने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सभी सदस्यों से 500 रुपये सहयोग राशि ली जाएगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ भवन के विस्तारीकरण और ओबीसी संगठन के गठन पर भी सहमति बनी। बैठक में समिति के अध्यक्ष, महासचिव, महिला पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। सभी ने हरेली को भव्य बनाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का संकल्प लिया।

जंगल में बिखरे मिले गुमशुदा महिला के अवशेष

कवर्धा। कबीरधाम जिले के भोरमदेव थाना क्षेत्र में छह दिन से लापता एक महिला का क्षत-विक्षत शव जंगल में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जंगल में अलग-अलग स्थानों पर बिखरे मानव अवशेष मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ग्राम चौरा निवासी झंगल बैगा ने 1 अगस्त को थाना भोरमदेव में सूचना दर्ज कराई कि उसकी पत्नी चैती बाई बैगा (28) 26 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी और उसके बाद वापस नहीं लौटी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने महिला की तलाश शुरू की और परिजनों व ग्रामीणों की मदद से आसपास के जंगलों में लगातार खोजबीन की गई। तलाशी अभियान के दौरान घर से करीब 200 मीटर दूर जंगल-झाड़ियों में स्थित एक सेन्हा पेड़ पर महिला की साड़ी का एक सिरा बंधा मिला। इसके बाद आसपास की तलाशी लेने पर पेड़ के नीचे और आसपास अलग-अलग स्थानों पर मानव खोपड़ी, पसलियां तथा पैरों की हड्डियां बिखरी हुई मिलीं। यह दृश्य देखकर ग्रामीण भी स्तब्ध रह गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही भोरमदेव पुलिस घटनास्थल पहुंची और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम के साथ पूरे क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। घटनास्थल से सभी मानव अवशेषों, कपड़ों और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से एकत्र किया गया। परिजनों ने चूड़ियों और अन्य पहचान चिह्नों के आधार पर मृतका की पहचान चैती बाई बैगा के रूप में की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला की मौत के बाद शव को जंगली जानवरों ने नोचकर अलग-अलग स्थानों तक घसीट दिया, जिससे शव पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट,फोरेंसिक जांच और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी मानव अवशेषों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल, कवर्धा भेजा गया है। जांच अधिकारी घटनास्थल से मिले प्रत्येक साक्ष्य का परीक्षण कर रहे हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह मामला आत्महत्या, दुर्घटना या किसी अन्य आपराधिक घटना से जुड़ा है। पुलिस का कहना है कि जांच के प्रत्येक पहलू पर गंभीरता से काम किया जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष टिकरिहा ने क्षेत्रवासियों को सौंपे 17 पानी टैंकर

बेमेतरा। बेमेतरा क्षेत्र में बढ़ती पेयजल समस्या को देखते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला पंचायत बेमेतरा के सभापति राहुल योगराज टिकरिहा ने जनहित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने जिला पंचायत निधि मद से 17 पानी के टैंकर विभिन्न ग्राम एवं नगर पंचायतों को उपलब्ध कराए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आवश्यकता के समय लोगों को राहत प्रदान करना है। राहुल योगराज टिकरिहा ने अपने गृहग्राम सिलघट सहित क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों एवं नगर पंचायतों से लंबे समय से प्राप्त हो रही मांग को गंभीरता से लेते हुए स्वयं उपस्थित होकर संबंधित पंचायतों को टैंकरों का वितरण किया। वितरित किए गए 17 टैंकरों में 14 ग्राम पंचायतों तथा 3 नगर पंचायतों को प्रदान किए गए। ग्राम पंचायत चेटुवा, रवेली, कुरूद, रांका, अच्छेली, बेलौदीकला, खुड़मुड़ा, तेलगा, आनंदगांव, बाँसा, सिलघट, कुम्ही (ख) एवं कुसमी को पानी के टैंकर दिए गए, जबकि नगर पंचायत बेरला, भिम्भौरी एवं एक अन्य नगर क्षेत्र को भी टैंकर उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। विभिन्न पंचायतों से लंबे समय से पानी के टैंकर की मांग प्राप्त हो रही थी। इन टैंकरों के माध्यम से अब सार्वजनिक कार्यक्रमों, सामाजिक आयोजनों, जल संकट एवं आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। जनसेवा ही हमारा संकल्प है और आगे भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य निरंतर जारी रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू ने इस अवसर पर कहा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार और संगठन का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने जिस संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र की पेयजल समस्या को समझते हुए 17 पानी के टैंकर उपलब्ध कराए हैं, वह जनसेवा के प्रति उनकी कार्यशैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल निश्चित रूप से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल संकट से जूझ रहे लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। भाजपा हमेशा विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनता के साथ खड़ी रही है और आगे भी इसी भावना से कार्य करती रहेगी। टैंकर वितरण के बाद विभिन्न ग्राम एवं नगर पंचायतों के जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों ने इस जनहितकारी पहल के लिए राहुल टिकरिहा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने वाला है और इससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू, जिला महामंत्री पोषण वर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रणीश रजक, भूपेन्द्र टिकरिहा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष विजय वर्मा, मंडी अध्यक्ष त्रिलोचन वर्मा, मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत नायक, प्रवीण (नीलू) राजपूत, भिम्भौरी नगर पंचायत अध्यक्ष संदीप परगनिहा, प्रभारी नीरज परगनिहा, भाजयुमो बलौदाबाजार जिलाध्यक्ष प्रणम्य पांडेय, गौरव द्विवेदी, दुर्गेश वर्मा, मनीष वर्मा, धर्मेंद्र साहू, किशन साहू सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सरपंच प्रतिनिधि अलख नायक, सरपंच भगवती साहू, सोनू चौहान, दीपक यादव, टोपसिंह टिकरिहा, खेमलाल वर्मा, अशोक साहू, सरपंच समा पनिका, सरपंच तिरिथ श्रवण गेन्द्रे, सरपंच राकेश वर्मा, सरपंच सुशील चतुर्वेदी, सरपंच राजेश नायक, उपसरपंच चंदू निषाद, सरपंच प्रतिनिधि हेमनाथ साहू, उपसरपंच विनय यदु, सरपंच शिवरात्रि गंधर्व, सरपंच अंचली सोनवानी, सरपंच चम्पा चौहान, मोहन पनिका, रोशन वर्मा, भूपेश टिकरिहा, प्रमोद टिकरिहा, पप्पू निषाद सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सोमेश जायसवाल दल्ली राजहरा भाजपा के झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के संयोजक नियुक्त

दल्लीराजहरा। नगर पालिका परिषद के पंडर दल्ली क्षेत्र के साथ अब समस्त नगर में अपने जनसेवा और निरंतर भाजपा के प्रति अपनी सक्रियता से लोकप्रियता हासिल करने वाले युवा भाजपा नेता की पार्टी के प्रति कर्तव्य निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने सोमेश जायसवाल को अब एक और जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय जनता पार्टी के जिला संयोजक कल्याण सोनवानी ने प्रदेश के अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संयोजक संजुनारायण, जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख और जिला महामंत्री सौरभ लूनिया की सहमति से सोमेश जायसवाल को दल्ली राजहरा भाजपा के झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया है। ज्ञात हो, कि सोमेश वार्ड क्रमांक 02 के भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता के साथ जुझारू नेता है जहां वार्ड में किसी भी तरह के आयोजन चाहे सुखद आयोजन हो या दुखद, सभी में कदम से कदम मिला कर परिवार की सदस्य की तरह वार्डवासियों के साथ खड़े रहते हैं। यही कारण है कि उनकी लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। इस नियुक्ति पर वार्ड क्रमांक 02 की जनता में हर्ष की लहर है , जहां वार्ड के साथ पार्टी के शीर्ष नेताओं और नगर के पदाधिकारियों ने सोमेश को इस नियुक्ति पर बधाई दी है। साथ ही विश्वास भी जताते हैं कि आगे भी पार्टी की बड़े से बड़े जिम्मेदारी उनके कंधे पर पार्टी सौंपेगी। नए नियुक्ति पर सोमेश ने इस दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के साथ ही जिला महामंत्री सौरभ लूनिया, जिला संयोजक कल्याण सोनवानी, राजहरा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष तोरण लाल साहू, उपाध्यक्ष मनोज दुबे, मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, एवं भाजपा के समस्त पदाधिकारी का इस दायित्व हेतु आभार व्यक्त किया है।

पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंच कर कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने ग्राम पथराटोला में किया पौधारापण

दल्लीराजहरा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पथराटोला में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित होकर आम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने लगातार बारिश के उपरांत भी आज आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों की उपस्थिति की सराहना की। मिश्रा ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु पौधरोपण के कार्य के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए पौधरोपण करने वाले सभी लोगों से रोपे गए पौधों की समुचित देखभाल करने को कहा। इस मौके पर कलेक्टर ने अपने समक्ष महिलाओं द्वारा लगाए गए पौधों के सामने फोटो एवं सेल्फी लेकर डिजिटल सर्टिफिकेट हेतु बनाए गए पोर्टल पर अपलोड कराया एवं महिलाओं को डिजिटल सर्टिफिकेट मिलने पर बधाई दी। इस मौके पर पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ. पदम जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अमित सिन्हा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

राखी के धागों संग सरहद जाएगी बेमेतरा की पावन मिट्टी : प्रज्ञा निर्वाणी

पूरा देश सरहद में तैनात भाइयों के साथ : लक्ष्मी साहू

बेमेतरा। बिहान समूह की बहनों का 'सिपाही रक्षा सूत्र अभियान के तहत ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी साहू के अगुवाई में जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी को रक्षा सूत्र सौंप कर सरहद पर तैनात भाइयों के लिए मंगल कामना की। 7 अगस्त को भारत माता चौक पर जुटेंगी जिले भर से महिलाएं,पूर्व सैनिकों को सौंपी जाएगी स्नेह और विश्वास की पोटली, इस बार रक्षाबंधन पर सरहद पर तैनात देश के जांबाजों की कलाई सिर्फ रेशमी धागों से ही नहीं सजेगी, बल्कि उनकी हथेलियों पर अपनी जन्मभूमि का स्पर्श भी होगा, सिपाही रक्षा सूत्र अभियान जो की प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है में बेमेतरा की बहनों ने वतन के रखवालों के लिए बिहान' समूह की महिलाओं ने सीमाओं पर डटे वीरों को राखी के साथ बेमेतरा की पावन मिट्टी भेज उनके दीर्घायु का संकल्प लिया, गांव की मिटटी सरहद पर माइनस डिग्री तापमान और कठिन परिस्थितियों में डटे जवानों को यह अहसास कराएगी कि उनका पूरा देश, उनका गांव और उनका परिवार हर पल उनके साथ खड़ा है। ग्राम चोरभट्टी स्थित आजीविका (लाइवलीहुड) कॉलेज में आयोजित अभियान की सबसे मार्मिक बात यह है कि जवानों को भेजे जाने वाले हर लिफाफे में राखी के साथ बेमेतरा की एक चुटकी मिट्टी सहेज कर रखी जा रही है, बहनों ने कहा हे भारत के वीर, आप सीमा पर अकेले नहीं है, आपके पीछे 140 करोड़ देशवासियों का प्रेम, प्रार्थनाएं और मातृभूमि का आशीर्वाद है। जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने बताया कि 7 अगस्त को भारत माता चौक में महाआरती के बाद जिले भर से संकलित रक्षा सूत्र पूर्व सैनिक महेंद्र भाई को सौंपी जाएगी, इस राष्ट्रभक्ति अभियान के तहत 7 अगस्त को सुबह 11 बजे शहर के भारत माता की महाआरती के बाद जिलेभर से जुटाई गई राखियां और मातृभूमि की मिटटी के लिफाफे एकत्रित किए जाएंगे। जिला मंत्री मनीषा शर्मा ने कहा सरहद की ओर कदम है यह पूरी सौगात पूर्व सैनिक महेंद्र भाई को सौंपी जाएगी, जो इसे सीमा पर तैनात जवानों तक सुरक्षित पहुंचायेंगे। स्कूलों,कालेजों से लेकर स्व-सहायता समूहों तक फैला देशभक्ति का जज्बा ने विद्यालयों, स्व-सहायता समूहों और महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर दिया है। चोरभटटी स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में दुर्गा यदु, लक्ष्मी साहू, श्रद्धा पांडे, चित्ररेखा यदु, कौशल्या दिवाकर, अनुराग-दिया मार्कंडेय, धारा-कमला मानिकपुरी, पुष्पा साहू, ज्योति चौहान, पूनम सेन, प्रतिमा निषाद, अहिल्या बेलदार, शांति ठाकुर और सावित्री वर्मा सहित सैकड़ों बहनों ने राखियों और मिटटी के संग्रहण में अहम भूमिका निभाई है।प्रज्ञा निर्वाणी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ने बेमेतरा जिले की सभी माताओं, बहनों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे 7 अगस्त को सुबह 11 बजे भारत माता चौक पहुंचकर इस ऐतिहासिक और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत क्षण के साक्षी बनें।

संक्षिप्त समाचार

महिंद्रा शोरूम में 10 लाख रुपये से अधिक का गबन, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में महिंद्रा शोरूम कंपनी के ग्राहकों से प्राप्त लाखों रुपये की राशि का गबन करने वाले आरोपी कर्मचारी को तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर ग्राहकों से वाहन बुकिंग और डाउन पेमेंट के रूप में ली गई रकम कंपनी के खाते में जमा नहीं कर निजी उपयोग में लेने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, थाना तेलीबांधा में कंपनी की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी कि कंपनी में कार्यरत कर्मचारी नीरज चंद्राकर (35 वर्ष), निवासी शिवालिया पार्क, थाना सिटी कोतवाली, जिला महासमुंद ने अपने कार्यकाल के दौरान ग्राहकों से प्राप्त राशि में हेरफेर की। आरोप है कि आरोपी ने वाहन बुकिंग एवं डाउन पेमेंट की राशि कंपनी के खाते में जमा करने के बजाय अपने व्यक्तिगत यूपीआई और नकद माध्यम से प्राप्त कर ली और उसका उपयोग स्वयं के लिए किया। आरोपी द्वारा कुल 10 लाख 24 हजार 853 रुपये की राशि का गबन किए जाने की बात सामने आई है। मामले में थाना तेलीबांधा पुलिस ने अपराध क्रमांक 306/2026 के तहत धारा 316(4), 316 बीएनएस के अंतर्गत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश कर उसे 1 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिजनों से उपमुख्यमंत्री ने की बात

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दीपक रात्रे एवं भूपेन्द्र की निर्मम हत्या की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान तत्काल दोनों दिवंगतों के परिजनों से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। विजय शर्मा ने अधिकारियों को भी आवश्यक समन्वय एवं हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना ने पूरे प्रदेश को गहरे शोक में डाल दिया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध है। आतंकवाद के ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है और इस नृशंस हमले में शामिल आर्तकियों को उनके अपराध की कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि आर्तकियों को उनके कृत्य का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा और इस हमले का बदला अवश्य लिया जाएगा। विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील निर्णय शोक संतप्त परिवारों को कठिन समय में संबल प्रदान करेगा तथा राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। वे पीड़ित परिवारों के साथ रहकर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा स्थानीय प्रशासन के साथ आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वन विभाग की सतर्कता से टला बड़ा खतरा, केरावाहारा में तेंदुआ सुरक्षित पकड़ा गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के केराबाहरा गांव में आतंक मचाने वाला एक तेंदुआ 1 अगस्त 2026 की सुबह वन विभाग द्वारा सुरक्षित पकड़ लिया गया। यह तेंदुआ पिछले एक महीने से अधिक समय से लगातार रिहायशी इलाके में आ रहा था और ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। छत्तीसगढ़ वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिंजरा लगाया और जानवर को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित पिंजरे में कैद कर लिया। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार गरियाबंद वनमंडल के वन परिक्षेत्र गरियाबंद अंतर्गत ग्राम केरावाहारा (ग्राम पंचायत जोवा) में वन विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की है। पिछले कुछ समय से क्षेत्र में तेंदुए की लगातार गतिविधियों को देखते हुए लगाए गए केज ट्रैप (पिंजरे) में शुक्रवार को तेंदुआ सुरक्षित रूप से पकड़ा गया। वन विभाग की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से संभावित मानव-वन्यजीव संघर्ष को टाल दिया गया। वनमंडलाधिकारी ससिगानंदन के. ने बताया कि तेंदुए ने पहले क्षेत्र में पालतू मवेशियों पर हमला किया था। इसके अलावा विद्यालय परिसर और आबादी के आसपास भी उसकी मौजूदगी की सूचना मिल रही थी। इसे देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में विशेष निगरानी शुरू की और आवश्यक सुरक्षा उपाय किए। वनमंडलाधिकारी ससिगानंदन के., उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन और वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश वर्मा के निर्देशन में ग्राम जोवा और केरावाहारा में केज ट्रैप लगाए गए थे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित लेपर्ड रेस्क्यू टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया गया था। इस कार्रवाई के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सह मुख्य वन्यजीव वार्डन, छत्तीसगढ़ से आवश्यक अनुमति और दिशा-निर्देश भी प्राप्त किए गए थे।

कुलगाम आतंकी हमले पर दीपक बैज का केंद्र सरकार पर हमला घटना की निष्पक्ष जांच की मांग

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की आतंकी हमले में मौत के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) दीपक बैज ने घटना को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान दीपक बैज ने कहा कि दोनों मजदूरों को कथित तौर पर धर्म पूछकर गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि जब-जब केंद्र सरकार विभिन्न मुद्दों पर घिरती है, तब इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। बैज ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस घटना की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और सभी पहलुओं की निष्पक्ष पड़ताल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद आतंकवादी इस तरह हमला कैसे कर पा रहे हैं, यह सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। बैज ने इसे केंद्र सरकार की विफलता बताते हुए कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि जिन श्रमिकों की मौत हुई, वे रोजगार की तलाश में छत्तीसगढ़ से पलायन कर जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करने गए थे।

स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री साय ने कहा

पारदर्शी और समयबद्ध न्याय दिलाना नए कानूनों का मूल उद्देश्य-सीएम साय

- समन्वित प्रयासों से नए कानूनों और डिजिटल न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य - मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा

रायपुर/ संवाददाता

वर्तमान समय की आवश्यकताओं और बदलती चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन के वाहक बने हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इन कानूनों की मूल भावना नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की स्थापना है, जिसमें पीड़ित को शीघ्र न्याय मिले और अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सके। उन्होंने कहा कि पुराने कानून ऐसे समय में बने थे, जब डिजिटल तकनीक, सीसीटीवी, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आधुनिक फॉरेंसिक विज्ञान का अस्तित्व नहीं था। आज अपराधों की प्रकृति बदल चुकी है और तकनीक न्याय व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। नए कानूनों ने डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तथा वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच को विधिक मान्यता देकर अपराध अनुसंधान और अभियोजन को नई मजबूती प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शाखा प्रारंभ होने से अपराध अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। ई-साक्ष्य जैसी व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण और उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से न्याय प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और प्रभावी हुई है। पहले समन की तामील में कई दिन लग जाते थे, जबकि अब ई-समन के माध्यम से सूचना तत्काल संबंधित व्यक्ति तक पहुंच रही है और उसकी डिजिटल ट्रैकिंग भी संभव हो गई है। न्याय श्रुति जैसी व्यवस्था न्यायालयीन कार्यवाही के सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ-साथ ऑनलाइन एवं हाइब्रिड सुनवाई को भी अधिक सक्षम बना रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से देशभर के पुलिस थाने डिजिटल रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं। इससे अपराधियों का रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध हो जाता है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई में सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी थाने ऑनलाइन मोड में कार्यरत हैं तथा राज्य में अब तक 1 लाख 97 हजार 547 एफआईआर ऑनलाइन दर्ज की जा चुकी हैं। नागरिकों को डिजिटल हस्ताक्षरित एफआईआर की प्रति भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने किया गया 'सत्याग्रह' किताब का विमोचन...

- हरि ठाकुर स्मारक संस्थान के सहयोग से स्वर्गीय श्री आशीष ठाकुर द्वारा रचित किताब

रायपुर/ संवाददाता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज शाम यहां शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में सत्याग्रह नामक किताब का विमोचन किया। हरि ठाकुर स्मारक संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तक के लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार स्वर्गीय आशीष सिंह है। यह पुस्तक जल-जंगल के संघर्ष पर केन्द्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रभात मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा सहित, पूर्व सांसद श्री चुन्नीलाल साहू, साहित्यकार, स्वर्गीय आशीष सिंह जी के सुपुत्र श्री उपमन्यु सिंह, श्री अभिमन्यु सिंह मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पुस्तक का विमोचन कर कहा कि यह किताब शताब्दी वर्ष छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा किए गए जल-जंगल के लिए किए गए सत्याग्रह पर आधारित है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान जल-जंगल के अधिकारों की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को दर्शाता है। बस्तर से लेकर राजनांदगांव एवं राजनांदगांव से लेकर धमतरी के कंडेल में नहर सत्याग्रह की घटना को उजागर करती है। सन् 1920 में बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अनुरोध पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को धमतरी आना पड़ा। राजनांदगांव जिले के बादराटोला में शहीद रामाधीन गोंड जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान था, उसके नाम पर राजनांदगांव शहर में रामाधीन मार्ग है। डॉक्टर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्यागमूर्ति स्व. प्यारे लाल सिंह स्वर्गीय हरि ठाकुर के योगदान को स्मरण किया। राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल-जंगल का संघर्ष शताब्दी वर्ष के रूप में सत्याग्रह किताब का विमोचन किया जा रहा है। स्वर्गीय आशीष सिंह ने इस किताब के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आंदोलन के समय के जल-जंगल के संघर्ष का विस्तार से वर्णन किया है, जिसमें धमतरी का कंडेल नहर सत्याग्रह, नत्थूजी जगताप, नारायण राव मेघावाले के संघर्ष और राजनांदगांव जिले के शहीद रामाधीन गोंड का बलिदान, पंडित सुन्दरलाल शर्मा का योगदान का चित्रण किया है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति.....

- नारायणपुर के मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' विजेताओं ने राष्ट्रपति से की सौजन्य भेंट

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे। इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया। मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति-रिवाजों का परिचय दिया। प्रतिनिधिमंडल की इस मुलाकात से न केवल नारायणपुर और समूचा बस्तर संभाग गौरवान्वित महसूस कर रहा है, बल्कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान मिली है।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया राष्ट्रीय शुभारंभ

अगले 100 सप्ताह तक चलेगा जन जागरूकता अभियान-राजवाड़े.....

रायपुर/संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी अभियान की औपचारिक शुरुआत विभिन्न जिलों में की गई। सूरजपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महत्व के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया और उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य अनुशासन, शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली में निहित है। उन्होंने छात्र-छात्राओं और युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की।

युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। जिले के नैला रेलवे ट्रैक पर शनिवार को एक युवक द्वारा चलती ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही नैला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान राहुल अग्रवाल, निवासी जांजगीर, के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मृतक के परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है तथा सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा से विकसित छत्तीसगढ़ तक

सीएम ने नीट क्वालीफाई विद्यार्थियों के साथ साझा किया भविष्य का रोडमैप

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रयास आवासीय विद्यालय के नीट क्वालीफाई विद्यार्थियों से किया प्रेरक संवाद

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रयास आवासीय विद्यालयों के नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री निवास में स्वागत करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रदेश में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के गरीब एवं आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों ने नीट जैसी कठिन परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 17 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों का उद्देश्य दूरस्थ, आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इस सफलता में उनके माता-पिता का आशीर्वाद, गुरुजनों का समर्पण और विद्यार्थियों की कठोर मेहनत समान रूप से शामिल है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप सभी भविष्य के डॉक्टर हैं। समाज में डॉक्टर का स्थान भगवान के बाद माना जाता है। भगवान हमें जन्म देते हैं और डॉक्टर जीवन बचाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे केवल कुशल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, व्यवहारिक और मिलनसार डॉक्टर भी बनें। उन्होंने कहा कि मरीज के साथ अच्छा व्यवहार स्वयं कई बीमारियों के उपचार का माध्यम बन जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज, प्रदेश और देश की सेवा को अपना सर्वोच्च दायित्व मानने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज शिक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अपनी संघर्षपूर्ण शिक्षा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज विद्यार्थियों को शासन की ओर से पहले की तुलना में कहीं अधिक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए प्रदेशभर में नालंदा परिसर संचालित किए जा रहे हैं तथा 34 नए नालंदा परिसर निर्माणाधीन हैं, जहां सातों दिन 24 घंटे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। वहां विद्यार्थियों को निःशुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि इसी वर्ष ट्रायबल यूथ हॉस्टल के 13 विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य निर्माण के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज निजी एवं शासकीय संस्थानों को मिलाकर 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। राज्य सरकार पांच नए मेडिकल कॉलेज भी स्थापित कर रही है, जिससे एमबीबीएस की 250 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज देशभर में करोड़ों लोगों ने नशा नहीं करने की शपथ ली है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह अभियान स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जो आगामी दो वर्षों तक संचालित होगा तथा इसमें माय भारत वालंटियर्स सहित बड़ी संख्या में युवा सहभागी बन रहे हैं।

संपादकीय

छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई पर सवाल

अपनी मांगों के साथ 'संसद मार्च' का आह्वान करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, उससे यह सवाल उठा है कि सरकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के संवैधानिक अधिकारों को कैसे देखती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में जनता को किसी मसले पर शांतिपूर्ण विरोध और असहमति जाहिर करने का अधिकार होता है और सरकार को इसे सकारात्मक नजरिए से देखना चाहिए। जब भी जनता के किसी हिस्से में सरकार के रुख की वजह से असंतोष पैदा हो, तो यह जिम्मेदारी सरकार की ही होती है कि वह संवाद के जरिए समस्या का समाधान निकाले।मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि अगर सरकार की उदासीनता की वजह से लोग अपनी बात कहने सड़क पर उतरें, तो उन्हें रोकने के लिए बातचीत की गुंजाइश निकालने के बजाय दमन का रास्ता अख्तियार किया जाए। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जब विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की, तो सरकार के पास वक्त था कि वह संवाद के जरिए एक आदर्श समाधान सामने रखे।अगर इस दौरान स्थिति बिगड़ने की आशंका होती, तो उसे नियंत्रित करने के लिए भी हर वह विकल्प आजमाए जाने चाहिए थे, जिससे प्रदर्शन बेलगाम न हो और न ही पुलिस को हिंसक बलप्रयोग करने की जरूरत पड़े। मगर अपनी मांगों के साथ 'संसद मार्च' का आह्वान करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, उससे यह सवाल उठा है कि सरकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के संवैधानिक अधिकारों को कैसे देखती है।गौरतलब है कि नीट प्रश्नपत्र लीक होने पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। मगर इस क्रम में ज्यादा गंभीर आरोप यह सामने आया कि आंदोलनकारियों पर पुलिस की ओर से पेलेट गन भी चलाया गया। वहीं पुलिस के इस रवैये के विरोध में जब देश के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन शुरू हुए, तो वहां भी गैरजरूरी तरीके से आक्रामक रुख अख्तियार किया गया।एक अन्य आरोप के मुताबिक, बिहार के सिवान में एक पुलिसकर्मी ने एके-47 राइफल से विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं। सवाल है कि महज प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर अपना विरोध जताने वालों के खिलाफ घातक हथियार चलाने की हद तक जाकर पुलिस आखिर क्या संदेश देना चाहती है। क्या ऐसे आरोपों के बाद अनिवार्यता की दलील पर विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसे बर्ताव को उचित ठहराया जा सकता है?यों आज के दौर में अमूमन हर सार्वजनिक गतिविधि की जीवंत तस्वीरें बहुत कुछ बयान कर जाती हैं, लेकिन अगर इस तरह के आरोप भी लगे, तो क्या यह संविधान और देश के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रति सरकार की वचनबद्धता पर सवालिया निशान नहीं हैं? कायदे से अपनी लोकतांत्रिक और संवैधानिक जिम्मेदारियों को लेकर सरकार को खुद सजग रहना चाहिए था।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन- अस्तित्व पर मंडराता खतरा

(ललित गर्ग)

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है।

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है।

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ लीटर पानी भी बचाए तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लीटर जल की बचत संभव है। सरकार को भी जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले के लिए भूजल बजट तैयार किया जाए, भूजल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण हो, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों-ड्रिप और स्प्रिंकलर-को व्यापक प्रोत्साहन मिले तथा ऐसे कृषि अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करे। साथ ही जल शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी जल के महत्व को केवल पुस्तकों में नहीं, व्यवहार में भी समझ सके। भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल बचेगा? यदि आज भी हमने जल को केवल उपभोग की वस्तु समझा तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष, पलायन और सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक होगा। खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट आएगा। इसलिए जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति का भी प्रश्न है। आज समय की पुकार है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है।' हमें बदलती जलवायु के अनुरूप अपनी नीतियों, कृषि प्रणाली और जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन लाने होंगे। वर्षा की प्रत्येक बूंद को धरती में उतारना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जल अनुशासन को जन-आंदोलन बनाना ही इस संकट का सबसे प्रभावी समाधान है। यदि सरकार, वैज्ञानिक, किसान, उद्योग, सामाजिक संगठन और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध प्रयास करें तो जल संकट को अवसर में बदला जा सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विवशता बन जाएगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भागदौड़ भरी जिंदगी में खुशी की तलाश बाहर नहीं, अपनों के भीतर करें

(रितुप्रिया)

जिस पल हम अपने आपको बहुत ही हल्का और खुशनुमा महसूस करते हैं, वहीं हमारी खुशी के सबसे महत्वपूर्ण पल होते हैं। खुशी के पल वे अनमोल क्षण हैं, जो हमें अपने जीवन की असली अहमियत बताते हैं। वे पल जिनमें गहराई होती है और हमारे मन की खुशी होती है। चाहे जीवन की उपलब्धि से भरे पल हों या फिर अपने परिवार के साथ गुजरने वाले सामान्य क्षण, जिस पल हम अपने आपको बहुत ही हल्का और खुशनुमा महसूस करते हैं, वहीं हमारी खुशी के सबसे महत्वपूर्ण पल होते हैं। इन्हें किसी असाधारण उपलब्धि से जोड़कर नहीं देखा जा सकता, बल्कि ये किसी भी रूप में हमें प्राप्त हो सकते हैं, बशर्ते कि हम सकारात्मक रहें। सकारात्मक सोच ही हमारी खुशी के पलों के लिए एक माहौल तैयार करती है। दरअसल, खुशी का मूल स्रोत हमारा अंतर्मन है, लेकिन हमारा अंतर्मन इच्छाओं से घिरा रहता है, और जब हमारी ऐसी इच्छाएं पूरी नहीं होती तो हम मन में दुख की अनुभूति करते हैं। यह विचार कुछ ऐसा है, जैसे हम जीना तो बहुत चाहते हैं, लेकिन अपनी ही सोच और विचारों में इतने उलझ जाते हैं कि असली जीवन क्या है, इसे पहचान नहीं पाते। हमारे धर्मग्रंथों से लेकर विचारकों ने यह दर्ज किया है कि इच्छाएं अनंत हैं, लेकिन उसके लिए अपने आप को दुखी करना हमारी खुशी के मूल स्रोत को खत्म करने के बराबर है। कुछ लोग क्षणिक चीजों में सुख खोजना चाहते हैं, जो कुछ क्षण के लिए खुशी प्रदान कर देगा, लेकिन दीर्घकाल के लिहाज से उतना उपयोगी नहीं है। कई बार खुशियां भी हमारे दुख का कारण बनती हैं, क्योंकि कभी यह गलत रास्ते से पाई हुई खुशियां भी हो सकती हैं। खुशी के पल वही होते हैं, जो हमें दीर्घकाल का आनंद प्रदान करें और हमें चिंता से मुक्त कर पाए। प्रसिद्ध दार्शनिक एपिक्यूरस का भी यही दृष्टिकोण है कि दुख और चिंता से मुक्ति का असली मतलब ही खुशी के पल है। यानी व्यक्ति सरल जीवन जीए, मित्रतापूर्ण व्यवहार करे और मानसिक रूप से शांति का अनुभव करे, तो यही सच्चे सुख के स्रोत हैं। मगर भौतिकता की अंधी दौड़ ने हमें इस विचार से अलग कर दिया है। अब हम यह सोच ही नहीं पाते कि बहुत कम में बहुत अधिक चीजों की प्राप्ति संभव है। इसका मतलब यह है कि छोटी-छोटी खुशियां हमें बड़े सुख को प्रदान करने वाली होती हैं, न कि बड़ी-बड़ी उपलब्धियां। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि खुशी असल में हमारा आत्मिक विकास है, जो हमें संघर्ष की स्थितियों से प्राप्त होता है और जब हम इसे पार कर लेते हैं, तो हमें बड़ा ही संतोष मिलता है। हम जीवन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं और यही चुनौतियां हमें जीवन के असली रंग से परिचित कराती हैं और ये जीवन के नए-नए रंग हमें खुशी के पलों को प्राप्त करने में सहायक होते हैं। मगर आज हम इतनी उलझनों में उलझे हैं कि हमने अपनी खुशी के पलों की गणना केवल भौतिकतावादी सोच के तहत की है, जबकि हम अपनी भागदौड़ भरी जीवनशैली से अक्सर हमारी खुशी के पलों को ओझल कर देते हैं। हम अपने बच्चों को बड़ी सफलताओं के पीछे लगा देते हैं, माता-पिता को अपनी सफलता का रोड़ा समझकर उन्हें उपेक्षित छोड़ देते हैं। पति-पत्नी अक्सर भाई-बहन और बच्चों को कुछ हासिल करने के नाम पर नजरअंदाज कर देते हैं। क्या इस तरह हम कभी खुशी प्राप्त कर सकते हैं, जब हमारे अपने ही हमारे साथ न हों? ऐसा शायद कभी नहीं हो सकता कि बिना अपनों के हम अपनी खुशी के पलों को अर्जित कर पाएं। सफलता जीवन का आयाम है, लेकिन यह सब कुछ नहीं है। पैसा कमाना, यश कमाना, पराजित न होना और हर स्थिति में विजय का तिलक अपने माथे पर लगा लेना। अगर यही खुशी के पलों को निर्धारित करता है, तो ऐसी खुशी से कोई लाभ नहीं है।यह कोरी कल्पना है कि हम खुशी हासिल कर रहे हैं, क्योंकि यह सतही तौर पर होता है। हमारी असली खुशी हमारे अपनों और परिवार के साथ बिताए उन पलों में है, जब हम खिलखिला के हंस पाते हैं और दूसरे के चेहरे पर भी हंसी ला पाते हैं। यह कोई मुश्किल काम नहीं है, बल्कि आसान और अर्थपूर्ण है। अपने आसपास के माहौल को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। इसी से हमें असली शांति खुशी और सही दृष्टिकोण प्राप्त होता है। जब हम टीवी और मोबाइल की दुनिया में नहीं थे, तब भी तो लोग खुशी तलाशते थे। आज भी दूरदराज के गांवों के लोग अपने परिवार के साथ बैठ कर जब भोजन करते हैं, तो उनके चेहरे देखने लायक होते हैं। ऐसा लगता है, जैसे उन्होंने सब कुछ प्राप्त कर लिया। जबकि आधुनिक माने जाने वाले लोग यह मानकर चलते हैं कि ये सारे रिश्ते बोझ हैं और उसकी सारी खुशी उनकी सफलता में ही है। एक बार इन खुशी के पलों को अपने घर में खोजना चाहिए। समाज को हमारी आवश्यकता है, तो समाज के काम आना चाहिए। खुशी हमारी सृजनात्मकता है।

भारत में विज्ञान पत्रकारिता- वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ जवाबदेही और पारदर्शिता क्यों जरूरी है?

(रोहन सिंह)

भारत में विज्ञान और अनुसंधान पर खर्च लगातार बढ़ रहा है लेकिन वैज्ञानिक दावों, संस्थागत जवाबदेही और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र पड़ताल अब भी सीमित है। भारत ने वर्षों से अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का व्यापक उत्सव मनाया है। फिर भी इन उपलब्धियों के पीछे की संस्थाएं, निवेश, असफलताएं और जवाबदेही अक्सर सार्थक सार्वजनिक जांच-पड़ताल से बाहर रही हैं। आज भारत में विज्ञान सार्वजनिक जीवन में पहले से कहीं अधिक दिखाई देता है। चंद्र अभियानों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर मौसम पूर्वानुमान और रोग प्रकोपों तक, वैज्ञानिक उपलब्धियां नियमित रूप से सुर्खियां बनती हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय वर्ष 2010-11 के 60,196.75 करोड़ से बढ़कर 2020-21 में 1,27,380.96 करोड़ हो गया।

भारत में विज्ञान और अनुसंधान पर खर्च लगातार बढ़ रहा है लेकिन वैज्ञानिक दावों, संस्थागत जवाबदेही और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र पड़ताल अब भी सीमित है। भारत ने वर्षों से अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का व्यापक उत्सव मनाया है। फिर भी इन उपलब्धियों के पीछे की संस्थाएं, निवेश, असफलताएं और जवाबदेही अक्सर सार्थक सार्वजनिक जांच-पड़ताल से बाहर रही हैं। आज भारत में विज्ञान सार्वजनिक जीवन में पहले से कहीं अधिक दिखाई देता है। चंद्र अभियानों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर मौसम पूर्वानुमान और रोग प्रकोपों तक, वैज्ञानिक उपलब्धियां नियमित रूप से सुर्खियां बनती हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय वर्ष 2010-11 के 60,196.75 करोड़ से बढ़कर 2020-21 में 1,27,380.96 करोड़ हो गया। जबकि यह व्यय सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.6-0.7 फीसद के आसपास बना रहा। फिर भी इस प्रगति के पीछे एक कम चर्चित वास्तविकता मौजूद है। भारत में विज्ञान संबंधी अधिकांश सुर्खियां अब भी घोषणाओं, उपलब्धियों और आधिकारिक कथाओं पर केंद्रित रहती हैं। दूसरे शब्दों में, भारत विज्ञान को बढ़ावा देने में तो अधिक सफल रहा है, लेकिन उसकी आलोचनात्मक समीक्षा करने में नहीं। साक्ष्यों की पड़ताल करने वाली, दावों की जांच करने वाली, सार्वजनिक धन के उपयोग पर प्रश्न उठाने वाली और वैज्ञानिक सीमाओं को समझाने वाली स्वतंत्र सामग्री अपेक्षाकृत दुर्लभ है। जैसे-जैसे विज्ञान सार्वजनिक नीतियों और दैनिक जीवन को अधिक प्रभावित कर रहा है, यह अंतर अनदेखा करना कठिन होता जा रहा है। भारत में विज्ञान लेखन और विज्ञान प्रसार की एक लंबी परंपरा रही है। स्वतंत्रता के बाद वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल रहा। मगर विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और विज्ञान पत्रकारिता के बीच एक महत्त्वपूर्ण अंतर है। विज्ञान प्रसार का उद्देश्य वैज्ञानिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना होता है, जबकि विज्ञान पत्रकारिता का दायित्व वैज्ञानिक दावों, नीतियों, संस्थानों और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र जांच-पड़ताल करना भी है। समस्या विज्ञान की कमी नहीं है। समस्या उन संस्थागत ढांचों के सीमित विकास की है, जो विज्ञान को समाज से जोड़ने का कार्य करते हैं। विज्ञान पर लेखन और विश्लेषण को अक्सर वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रचार तक सीमित कर दिया गया है, जबकि उसकी वास्तविक जिम्मेदारी इससे कहीं व्यापक है। उसका कार्य केवल यह बताना नहीं है कि कोई खोज हुई है, बल्कि यह भी समझाना है कि वह खोज क्यों महत्त्वपूर्ण है, उसकी सीमाएं क्या हैं, उसके सामाजिक प्रभाव क्या हो सकते हैं और उसके पीछे मौजूद वैज्ञानिक साक्ष्य कितने मजबूत हैं। भारत में विज्ञान लेखन को जगह मिलने का सवाल भी चिंता का विषय है। जब मुख्यधारा के सूचना माध्यमों में विज्ञान को प्राथमिकता नहीं मिलती है, तब विज्ञान पत्रकारिता स्वाभाविक रूप से हाशिये पर चली जाती है। अनेक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि विज्ञान लेखन और विश्लेषण को अक्सर महामारी, आपदा या किसी बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि के समय ही प्रमुखता मिलती है, जबकि सामान्य दिनों में राजनीति, अपराध और मनोरंजन जैसे विषय समाचार एजंडे पर हावी रहते हैं। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, अनुसंधान नीति, वैज्ञानिक जवाबदेही और शोध की गुणवत्ता जैसे विषय मुख्यधारा की बहसों में अपेक्षित स्थान नहीं बना पाते। विज्ञान पत्रकारिता के लिए समय, विशेषज्ञता और संसाधनों की आवश्यकता होती है। टीवी की दुनिया में 'ब्रेकिंग न्यूज' के विपरीत, इसमें पत्रकारों को वैज्ञानिक निष्कर्षों का मूल्यांकन कर उन्हें व्यापक सामाजिक संदर्भ में दुनिया के सामने रखना पड़ता है। अधिकतर समाचार संस्थानों में राजनीति, चुनाव, अपराध और मनोरंजन को अधिक स्थान मिलता है, जबकि विज्ञान को अक्सर एक विशेषीकृत विषय मान लिया जाता है। परिणामस्वरूप जटिल वैज्ञानिक विषयों पर निरंतर और सुगठित लेखन विकसित नहीं हो पाता। हालांकि सोशल मीडिया ने वैज्ञानिक जानकारी तक पहुंच का विस्तार किया है, लेकिन उसने भ्रामक सूचनाओं के प्रसार को भी बढ़ाया है। अधिकांश विज्ञान लेखन उपलब्धियों और सफलता की कहानियों पर केंद्रित रहते है। जहां वैज्ञानिक उपलब्धियों को व्यापक ध्यान मिलता है, वहीं अनुसंधान की गुणवत्ता, वैज्ञानिक कदाचार, सार्वजनिक धन के उपयोग और संस्थागत जवाबदेही जैसे विषयों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत की वैज्ञानिक व्यवस्था का बड़ा हिस्सा करदाताओं के धन से संचालित होता है। फिर भी, अनुसंधान की प्राथमिकताएं कैसे तय होती हैं, परिणामों का मूल्यांकन कैसे किया जाता है और संस्थानों को किस प्रकार जवाबदेह बनाया जाता है? यह सब सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा होना चाहिए। शोध-पत्रों की वापसी, वैज्ञानिक कदाचार और भारत की 'प्रकाशित करो या समाप्त हो जाओ' संस्कृति पर हाल के विवादों ने अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रकाशन दबाव और संस्थागत जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। ये ऐसे मुद्दे हैं जिनका सीधा संबंध वैज्ञानिक विश्वसनीयता से है, लेकिन वे आमतौर पर उतनी सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा नहीं बनते, जितना महत्त्व किसी नई वैज्ञानिक उपलब्धि या तकनीकी सफलता को मिलता है। फिर भी जवाबदेही और विश्वास को परस्पर विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित एक टिप्पणी में तर्क दिया गया है कि वैज्ञानिकों और पत्रकारों को मिलकर अनुसंधान की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि भ्रामक सूचनाएं और राजनीतिक दबाव विज्ञान में सार्वजनिक विश्वास के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। अक्सर विज्ञान लेखन किसी नई खोज की घोषणा पर समाप्त हो जाता है, लेकिन पाठकों को यह भी जानना चाहिए कि साक्ष्य कितने विश्वसनीय हैं, कौन-से प्रश्न अब भी अनुत्तरित हैं और क्या खोज से जुड़े दावे वास्तव में उचित हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में लिए जाने वाले वैज्ञानिक निर्णय सीधे नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है। जब वैज्ञानिक ज्ञान सार्वजनिक नीतियों, स्वास्थ्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी संबंधी निर्णयों को प्रभावित करता है, तब नागरिकों का यह अधिकार भी बनता है कि वे उन निर्णयों के पीछे मौजूद साक्ष्यों, सीमाओं और अनिश्चितताओं को समझ सकें। विज्ञान पत्रकारिता लोगों को इन मुद्दों को समझने और उनसे जुड़ी नीतिगत बहसों में सार्थक भागीदारी करने में मदद करती है।

साथ ही, भारत में विज्ञान पत्रकारिता के लिए अवसर पहले से कहीं अधिक हैं। जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खाद्य सुरक्षा और जल संकट जैसे मुद्दे सीधे नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। इन सभी के केंद्र में विज्ञान मौजूद है। भविष्य की सबसे सफल विज्ञान पत्रकारिता वही होगी, जो प्रयोगशाला और समाज के बीच की दूरी को कम कर सके। भारत को अब केवल अधिक विज्ञान नहीं, बल्कि विज्ञान पर अधिक सार्वजनिक निगरानी की भी जरूरत है। वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। आखिरकार विज्ञान में सार्वजनिक विश्वास केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों पर निर्भर नहीं करेगा, बल्कि इस बात पर भी कि वैज्ञानिक संस्थाएं प्रश्नों और आलोचनात्मक समीक्षा के लिए कितनी खुली हैं।

शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर, मावा मोदोल नि:शुल्क कोचिंग से शिक्षक भर्ती क्रैश कोर्स के लिए चयन परीक्षा आयोजित

नई उड़ान, मावा मोदोलजिला प्रशासन की अनूठी पहल:

कांकेर। जिला प्रशासन उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा युवाओं को शिक्षक एवं सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा में सफलता दिलाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मावा मोदोल निःशुल्क कोचिंग संस्थान के माध्यम से विशेष चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यह परीक्षा आयोजित की गई।इस पहल का उद्देश्य जिले के उन युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, जो शिक्षक एवं सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं। इसके लिए सीटीईटी, सीजी-टीईटी उत्तीर्ण तथा बी.एड./डी.एड. अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे।चयन परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय कांकेर स्थित मावा मोदोल केंद्र तथा विकासखंड भानुप्रतापपुर में किया गया। परीक्षा में कांकेर केंद्र से 170 तथा भानुप्रतापपुर केंद्र से 60, कुल 230 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। चयन परीक्षा के परिणाम 3 अगस्त तक जारी किए जाएंगे, जबकि 4 अगस्त से काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर मेरिट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की विशेष क्रैश कोर्स कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने उन अभ्यर्थियों को भी राहत दी है जो किसी कारणवश निर्धारित तिथि पर परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। ऐसे सभी अभ्यर्थियों को 3 अगस्त (सोमवार) 8 को संबंधित परीक्षा केंद्र में उपस्थित होकर पंजीयन कराने एवं परीक्षा में सम्मिलित होने का अतिरिक्त अवसर दिया गया है। इन अभ्यर्थियों का चयन भी परीक्षा एवं काउंसलिंग के आधार पर किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि शिक्षक एवं सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा तक यह क्रैश कोर्स पूरी तरह निःशुल्क संचालित किया जाएगा। इसमें चयनित अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र भरने से लेकर परीक्षा के संपूर्ण पाठ्यक्रम का विषयवार अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही नियमित टेस्ट, मूल्यांकन एवं विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन के माध्यम से अभ्यर्थियों की तैयारी को मजबूत बनाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा भर्ती परीक्षा में सफल होकर शिक्षक बनने का सपना साकार कर सकें।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन अगामी माह में आयोजित होने वाली प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु प्रतिबद्ध है आने वाले दिनों में व्याख्याता भर्ती की प्रक्रिया होने पर उसकी भी तैयारी कराई जावेगी। इस पहल से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। निःशुल्क कोचिंग, नियमित अभ्यास एवं अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन से अभ्यर्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनकी सफलता की संभावना भी मजबूत होगी।

इस पूरी चयन परीक्षा के संचालन एवं रूपरेखा तैयार करने में जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद तथा जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला प्रशासन ने सभी पात्र युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी करने और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की है।

झोले में गांजा रखकर ग्राहकों की तलाश में 1.575 किग्रा गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा जिले में अवैध नशे के कारोबार पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे ÷उजियारा अभियान÷ के तहत भानुप्रतापपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गांजा बेचने की फिराक में घूम रहे एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1.575 किलोग्राम अवैध गांजा और बिक्री की नगद राशि बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) शेर बहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर निरीक्षक अंबर सिंह भारद्वाज को मुखबिर से सूचना मिली कि संबलपुर कराठी रोड स्थित अटल आवास के मुख्य मार्ग के पास एक व्यक्ति झोले में गांजा रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहा है। पुलिस टीम का गठन कर बताए गए स्थान पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने मौके से संदेही को पकड़ा, जिसने पूछताछ में अपना नाम किशोर जैन (35 वर्ष), निवासी संबलपुर (बस स्टैंड के पास), थाना भानुप्रतापपुर बताया।

तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1.575 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग ?79,000) तथा गांजा बिक्री के ?2,600 नगद बरामद किए गए। पुलिस ने कुल ?81,600 मूल्य का माल जब्त किया है। भानुप्रतापपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 155/2026 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट (हछ्क्क्र्ह) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा (जेल) में भेज दिया गया है। कार्रवाई में शामिल पुलिस निरीक्षक अंबर सिंह भारद्वाज, उप निरीक्षक प्रेम कुमार झा, प्रधान आरक्षक ,विजय कटकवार, आरक्षक , टोमन साहू, आरक्षक, गौतम हुपेंडी एवं महिला सहायक आरक्षक मीनाक्षी मरकाम की सराहनीय भूमिका रही।

11वें जन्मदिन पर एशल ने पेश की मिसाल, गुल्लक की बचत बाढ़ पीड़ितों के नाम

■ **मुख्यमंत्री राहत कोष में राशि समर्पित कर सेवा और सामाजिक सरोकार का दिया संदेश**

दंतेवाड़ा। अपने 11वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए गीदम की एशल अंसारी ने ऐसा कदम उठाया, जिसकी हर ओर सराहना हो रही है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की जिला अध्यक्ष नरगिस अंसारी की पुत्री एशल ने अपनी गुल्लक में वर्षों से संचित बचत राशि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया।मिली जानकारी अनुसार एशल ने जन्मदिन पर उपहार और उत्सव की बजाय जरूरतमंद लोगों की मदद को प्राथमिकता दी। उनकी इस पहल को सामाजिक, राजनीतिक और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि ऐसे संस्कार समाज में संवेदनशील और जिम्मेदार पीढ़ी तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।नरगिस अंसारी ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहयोग और राष्ट्रहित की भावना विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एशल का यह निर्णय परिवार से मिले संस्कारों का परिणाम है। उनका कहना था कि छोटी-छोटी बचत भी आपदा की घड़ी में पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी राहत बन सकती है। एशल अंसारी की इस पहल को लोगों ने सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण बताया। उनका मानना है कि यदि बच्चे अपने विशेष अवसरों को जनसेवा से जोड़ें तो समाज में सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना को और मजबूती मिलेगी।

साप्ताहिक बाजार में पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियमों के पालन की अपील

बीजापुर। साप्ताहिक बाजार में रविवार को बीजापुर पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान सबसे अधिक जोर इस बात पर दिया गया कि अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी स्थिति में वाहन चलाने के लिए न दें। पुलिस ने चेताया कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहन मालिक और अभिभावक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने बाजार में मौजूद पालकों, वाहन चालकों, युवाओं और आम लोगों से सीधे संवाद किया। पुलिस ने बताया कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस और पर्याप्त अनुभव के वाहन चलाना सड़क हादसों का प्रमुख कारण है। इसलिए बच्चों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अभिभावकों की जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस ने लोगों को हेलमेट पहनकर दोपहिया चलाने, कार में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी। साथ ही सभी से यातायात संकेतों का पालन कर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। यातायात पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं एवं शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल की 97वीं जयन्ती पर अमितेष शुक्ल व गणमान्यजनों ने किया सादर नमन

रायपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती पर राजधानी शहर रायपुर में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित प्रतिमा स्थल के समक्ष और पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित मूर्ति स्थल के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया। पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर प्रदेश के पूर्व मन्त्री अमितेष शुक्ल ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया. नगर के गणमान्यजनों ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया।

19 अगस्त के महाआंदोलन की तैयारी तेज: कांकेर में जिला स्तरीय कोर कमेटी व ब्लॉक समितियों का हुआ गठन

कांकेर। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज जिला कांकेर की एक महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 19 अगस्त को होने वाले राज्यव्यापी महाआंदोलन की भावी रणनीति पर गहराई से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्षों से लंबित पिछड़ा वर्ग की प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन को पूरी ताकत के साथ सफल बनाया जाएगा। समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि 19 अगस्त का प्रदर्शन केवल एक दिन का आंदोलन नहीं, बल्कि अधिकार और स्वाभिमान की एक लंबी लड़ाई की शुरुआत है। कांकेर में होने वाले इस प्रदर्शन की सफलता बस्तर संभाग के अन्य जिलों में होने वाले आंदोलनों को मजबूती प्रदान करेगी।

आंदोलन के मुख्य एजेंडे एवं प्रमुख मांगें

बैठक में सरकार द्वारा लगातार उपेक्षा किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। समाज के वक्ताओं ने कहा कि त्रि-स्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में ओबीसी समाज का प्रतिनिधित्व शून्य कर दिया गया है। अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और हकों की रक्षा के लिए निम्नलिखित मांगों को लेकर हुंकार भरी गई। 27 प्रतिशत आरक्षण: पिछड़ा वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में 27% आरक्षण का लाभ दिया जाए। जातिगत जनगणना व पृथक कॉलम: आगामी राष्ट्रीय जनगणना में पिछड़ा वर्ग के लिए एक अलग (पृथक) कॉलम की व्यवस्था की जाए। पांचवीं अनुसूची में शामिल करना: समाज के प्रतिनिधियों का तर्क है कि पिछड़ा वर्ग समाज क्षेत्र में आदिकाल से निवास कर रहा है, इसलिए उन्हें संविधान की पांचवीं अनुसूची के दायरे में शामिल किया जाए।

गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का लक्ष्य

19 अगस्त के महाआंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। जिला स्तरीय कोर कमेटी का गठन आंदोलन के सफल संचालन हेतु विभिन्न समाजों के जिला अध्यक्षों एवं प्रमुखों को मिलाकर एक शक्तिशाली जिला स्तरी,य कोर कमेटी का गठन किया गया है। कांकेर जिले के सभी ब्लॉक समाज प्रमुखों को एक सप्ताह के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों में बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। युवाओं और अंतिम व्यक्ति पर ध्यान: समाज को मजबूत करने के लिए गांव-गांव में जन-जागरण अभियान चलाने, बैठकें आयोजित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने की योजना है। इस पूरे आंदोलन में युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

स्वयंभू संगठनों और भ्रम फैलाकों से रहें सावधान

बैठक के दौरान एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर समाज के लोगों को सतर्क रहने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कुछ स्वघोषित और स्वयंभू संगठन पिछड़ा वर्ग समाज को गुमराह कर महत्वपूर्ण मूल मांगों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। समाज के सभी वर्गों को ऐसे असामाजिक तत्वों से सावधान रहकर एकजुटता के साथ 19 अगस्त के आंदोलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाना है।

बैठक में ये प्रमुख समाज प्रमुख व पदाधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में विभिन्न समाजों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में गरिमामयी उपस्थिति रही संभागीय एवं जिला नेतृत्व पुरुषोत्तम गजेन्द्र संभागीय अध्यक्ष, डड़सेना कलार समाज, कमल किशोर कश्यप संभागीय अध्यक्ष, कलार समाज, माधेश्वर जैन जिला अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज, सोनीलाल जैन संभागीय महासचिव, डड़सेना कलार समाज, लोकेश जैन कलार समाज, नंदकुमार जैन डड़सेना कलार समाज, धनसिंग विश्वकर्मा लोहार समाज, मोतीलाल चक्रधारी कुम्हार समाज, अनिता सोनी सोनार समाज, निर्मल कुमार जैन सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

नक्सल पुनर्वास को नई गति देने कलेक्टर ने की व्यापक समीक्षा

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय नक्सल पुनर्वास समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, पुनर्वास कार्यों की प्रगति तथा आत्मसमर्पित व्यक्तियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से सभी निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य मुख्यधारा में लौटने वाले व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन, आजीविका के अवसर तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और प्रत्येक प्रकरण का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने पुनर्वास प्राप्त हितग्राहियों को स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, बैंकिंग

बस्तर को हरा-भरा बनाने शहरभर में किया 1000 पौधा वितरण

'जन सहयोग' और फॉरेस्ट विभाग की साझा मुहिम: घड़ी चौक से बस स्टैंड तक गूंजा हरियाली का संदेश

कांकेर। काँकेर अपने पूर्व निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार आज प्रातः समाज सेवी संस्था ÷जन सहयोग÷ द्वारा शहर में पौधा वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया, जिसमें जन- सहयोग के सदस्यों के अलावा काँकेर वन विभाग के की स्टॉफ ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह 7:00 बजे शहर की उत्तरी सीमा स्थित घड़ी चौक से प्रारंभ होकर संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में जुलूस ने शहर के मुख्य मार्ग होते हुए बस स्टैंड में कार्यक्रम को परिणति तक पहुंचाया। राह में मिलने वाले समस्त नागरिक सज्जनों को सम्मान सहित पौधे प्रदान किए गए और उनसे विनम्र प्रार्थना की गई कि न केवल अपने घर आंगन में पौधा रोपण करें बल्कि उसकी सुरक्षा भी करें क्योंकि हमें न केवल पेड़ लगाने हैं बल्कि अधिक से अधिक पेड़ लगाने हैं क्योंकि हमारे बस्तर अंचल में बीते हुए समय में लाखों पेड़ विकास कार्यक्रमों की बलि चढ़ गए हैं। लाखों कीमती वृक्ष चोर तस्करों द्वारा नष्ट कर अवैध रूप से बेच दिए गए हैं। वितरण किए गए पौधों में फलदार तथा फूलदार हर प्रकार के पौधे थे जिन्हें लोगों की पसंद के अनुसार भी प्रदान किया गया। वन विभाग के डीएफओ, रौनक गोयल साहब द्वारा अपने विभाग की ओर से 1000 पौधे प्रदान किए गए। वन विभाग के अमले द्वारा पौधा वितरण कार्य में भी ÷जन सहयोग÷ संस्था से सक्रिय सहयोग किया गया। जिनमें वन मंडल अधिकारी रौनक गोयल साहब के अलावा अरुण कुमार ठाकुर परिक्षेत्र सहायक काँकेर, विमल ठाकुर परिक्षेत्र सहायक मर्दा पोटी, चैन सिंह परिक्षेत्र सहायक पुसवाड़ा, परिक्षेत्र सहायक पीढ़ापाल, सरस्वती तारम वनपाल, निरूपा वनपाल, सकीता नाग वनरक्षक, मेघा यादव वनरक्षक, प्रकाश मंडावी वनरक्षक राजवीर दुग्गा, पुनेशयादव वनरक्षक, दीपक भंडारी सुरक्षा श्रमिक, मनोज श्रीवास्तव वाहन चालक, सुनील यादव सुरक्षा श्रमिक, नंदलाल यादव, मुकेश यादव, बंटी यादव, दीपक देहारी, जन सहयोग की टीम में अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा पूर्व सैनिक टी के जैन, धर्मेंद्र देव, दिलीप कुमार गुप्ता, संजय मंशानी, सागर देव, ओंकार देव, आशुतोष देव तथा शैलेंद्र देहारी, अजय पांडे, आदि नौजवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने बताया कि ÷जन सहयोग ÷के उद्देश्यों में पर्यावरण भी एक प्रमुख उद्देश्य है, जिस पर हम पिछले दो दशकों से कार्य कर रहे हैं। आज के युग में प्रदूषण को देखते हुए न केवल बस्तर अंचल बल्कि समस्त विश्व में पेड़ लगाने तथा हरियाली बढ़ाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है अन्यथा मानव स्वास्थ्य ही नहीं, मानव जीवन पर भी संकट उत्पन्न हो सकता है। आज के पौधा-वितरण कार्यक्रम की समस्त जिले में प्रशंसा की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : अब 14 अगस्त तक करा सकेंगे फसल बीमा पंजीयन

बिलासपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफवर्ष 2026 की अधिसूचित फसलों के लिए बीमा पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 तक कर दी गई है। पहले यह तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी। समय-सीमा बढ़ने से ऐसे किसानों को राहत मिलेगी, जो पूर्व निर्धारित तिथि तक पंजीयन नहीं करा सके थे। जिले में खरीफ2026 के लिए धान सिंचित, धान असिंचित एवं मक्का फसल को अधिसूचित किया गया है। योजना के तहत किसानों को बीमा प्रीमियम का केवल 2 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जबकि शेष प्रीमियम राशि का वहन केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। धान (सिंचित) के लिए प्रति हेक्टेयर कृषक प्रीमियम 1,320 रुपये तथा धान (असिंचित) के लिए प्रति हेक्टेयर कृषक प्रीमियम 946 रूपये एवं मक्का फसल के लिए 792 रूपये निर्धारित किया गया है। प्राकृतिक आपदा अथवा कटाई उपरांत नुकसान होने की स्थिति में किसान 72 घंटे के भीतर बैंक, लोक सेवा केंद्र, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, कृषि रक्षक पोर्टल, हेल्पलाइन 14447 अथवा व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 7065514447 पर सूचना दर्ज करा सकते हैं। योजना का लाभ ऋणी एवं अऋणी दोनों प्रकार के किसान ले सकते हैं। अऋणी किसानों को आवेदन के साथ आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका (बी-1), बैंक पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र अथवा स्वघोषणा पत्र तथा मोबाइल नंबर सहित आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। बटाईदार, अभिभावक एवं साझेदार किसानों को फसल साझा अथवा काश्तकार घोषणा पत्र भी आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

भोजपुरी मत्स्य बीज प्रक्षेत्र ने उत्पादन लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की

बिलासपुर। मत्स्य पालन विभाग अंतर्गत संचालित मत्स्य बीज प्रक्षेत्र भोजपुरी ने वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित मत्स्य बीज उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रक्षेत्र को 1500 लाख मत्स्य बीज उत्पादन का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध 1505 लाख मत्स्य बीज का उत्पादन कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि दर्ज की गई है। मत्स्य पालन विभाग के अनुसार इस सफलता में प्रक्षेत्र प्रभारी एवं सहायक मत्स्य अधिकारी श्री दीनदयाल रात्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सतत प्रयास, बेहतर प्रबंधन एवं योजनाबद्ध कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप निर्धारित लक्ष्य से अधिक उत्पादन संभव हो सका। इस कार्य में सहायक मत्स्य अधिकारी श्री योगेश मानवटकर का भी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे उत्पादन कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

जयरामनगर स्टेशन में मिक्स कोयले की खुली नीलामी 07 अगस्त 2026 को

बिलासपुर। जयरामनगर गुड्स शेड में रखे लगभग 150 टन मिक्स कोयले की खुली नीलामी दिनांक 07 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को सुबह 11. 00 बजे जयरामनगर रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। यह नीलामी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के अनुसार संपन्न होगी। इच्छुक व्यक्ति, फर्म एवं संस्थान निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर इस नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने सकते हैं । नियमानुसार सर्वोच्च बोलीदाता के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी। नीलामी में सफल बोलीदाता को क्रय किए गए कोयले के संपूर्ण मूल्य के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान नकद अथवा डिमांड ड्राफ्ट (छ्ड) के माध्यम से नीलामी स्थल पर ही करना होगा। साथ ही, सफल बोलीदाता को नीलामी की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपने जोखिम एवं व्यय पर संबंधित कोयले को रेलवे परिसर से हटाना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने अथवा इसके संबंध में उत्पन्न किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन रेलवे प्रशासन द्वारा नहीं किया जाएगा।

नैला गुड्स शेड में लगभग 300 टन कोयले की खुली नीलामी 08 अगस्त 2026 को

बिलासपुर। मंडल के नैला गुड्स शेड में रखे लगभग 300 टन कोयले (छ्थड्ड्य) की खुली नीलामी 08 अगस्त 2026 (शनिवार) को सुबह 11.00 बजे जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन स्थित मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। यह नीलामी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के अनुसार संपन्न होगी। इच्छुक व्यक्ति, फर्म एवं संस्थान निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर इस नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने सकते हैं । नियमानुसार सर्वोच्च बोलीदाता के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी।

नीलामी में सफल बोलीदाता को क्रय किए गए कोयले के संपूर्ण मूल्य के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान नकद अथवा डिमांड ड्राफ्ट (छ्ड) के माध्यम से नीलामी स्थल पर ही करना होगा। साथ ही, सफल बोलीदाता को नीलामी की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपने जोखिम एवं व्यय पर संबंधित कोयले को रेलवे परिसर से हटाना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने अथवा इसके संबंध में उत्पन्न किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन रेलवे प्रशासन द्वारा नहीं किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव -2026 का आयोजन

विजेता नाटक धड़ीचा अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2026 के लिए चयनित

बिलासपुर। अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2026 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 01 अगस्त 2026 को रेलवे एन.ई.इंस्टिट्यूट, प्रेक्षागृह, बिलासपुर में क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव - 2026 का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रधान कार्यालय के नाटक अविघ्नेया, बिलासपुर मंडल के नाटक वापसी, रायपुर मंडल के नाटक तृष्णा तथा नागपुर मंडल के नाटक धड़ीचा की प्रस्तुति दी गई । क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव -2026 के मुख्य अतिथि श्री बिजय कुमार, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर तथा विशिष्ट अतिथि श्री ए.के.मेश्राम, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर थे। इस प्रतियोगिता में निर्णायकद्वय के रूप में आकाशवाणी प्रमुख एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ सुप्रिया भारतीयन तथा नाटककार एवं नाट्य निर्देशक, श्री अरुण भांगे उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायकद्वय के स्वागत एवं उनके करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ । सर्वप्रथम प्रधान कार्यालय, बिलासपुर द्वारा नाटक अविघ्नेया मँचित किया गया । नाटककार मोहन बनसोडे द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन श्री हर्षल नागदेवते, वरिष्ठ लिपिक/प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक कार्यालय द्वारा किया गया । यह नाटक डाउनसिंड्रोम से पीडित एक आत्मनिर्भर युवती अनन्या के सपनों की कहानी है । अपने माता-पिता के प्रेम की छांव में पली-बढ़ी अनन्या के विवाहयोग्य होने पर उसके लिए उपयुक्त जीवनसाथी की खोज और बेटी के खुशहाल भविष्य के लिए चिंतित पिता की भावनाओं को इस नाटक में दर्शाया गया। इसके उपरांत बिलासपुर मंडल द्वारा नाटक वापसी का मंचन किया गया । श्री हरिप्रकाश द्वारा लिखित इस

नाट्य रूपांतरण का निर्देशन श्री धीरज सोनी, कनिष्ठ लिपिक, रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल-2, बिलासपुर द्वारा किया। इस नाटक में उन रिश्तों पर प्रकाश डाला गया जो समय, दूरी और अनकही बातों के बीच धीरे-धीरे धुंधले पड़ जाते हैं। एक कठोर दिखने वाला पिता, प्रतीक्षा में डूबी माँ और अपराधबोध से ग्रस्त बेटा- इन तीनों के बीच चलने वाला मौन ही इस नाटक का सबसे सशक्त संवाद रहा । तीसरे नाटक तृष्णा का मंचन रायपुर मंडल द्वारा किया गया । श्री एल.वी.एस.पी.रेड्डी, लोको पायलट (मेल)/ वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ओपी), रायपुर के निर्देशन में इस नाटक में एक उसूलवादी सजायाफ्ता वृद्ध लेखक के जीवन में पैसों की तंगी के चलते आए भूचाल का चित्रण किया गया। इस नाटक ने संदेश दिया कि परिस्थितियां मनुष्य के वश में नहीं होती किंतु निर्णय सदैव उसके विवेक पर निर्भर करता है । तत्पश्चात नागपुर मंडल द्वारा चौथे नाटक धड़ीचा का सजीव मंचन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में प्रचलित सामाजिक कुप्रथा को दर्शाया गया जिसमें महिलाओं की अनुबंध/करार के माध्यम से खरीद फरोख्त की जाती है। इस नाटक के माध्यम से उन असंख्य महिलाओं की व्यथा को स्वर दिया गया, जिन्हें समाज में आज भी वस्तु समझकर उनके अधिकारों का हनन किया जाता है। नाटकों की समीक्षा करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री ए.के.मेश्राम ने मँचित नाटकों की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए रेलकर्मियों द्वारा उत्कृष्ट स्तर का नाट्य मंचन किया गया । उन्होंने उल्लेख किया कि सभी नाटकों ने सामाजिक विषयों पर दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया और उनके हृदय को छूने में सफल हुए ।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से अशोक साहू के घर की छत बनी कमाई और बचत का जरिया

बिलासपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी "प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना" आम नागरिकों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनती जा रही है। यह योजना न केवल लोगों को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है, बल्कि बिजली के बढ़ते खर्च से भी राहत दिला रही है। शहर के चांटीडीह निवासी श्री अशोक कुमार साहू इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। योजना का लाभ लेने के बाद उनके घर का बिजली बिल बेहद कम हो गया है और अब वे प्रतिमाह लगभग 3500 रुपये की बचत कर रहे हैं। श्री अशोक कुमार साहू ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी समाचार पत्रों, सोशल मीडिया तथा अन्य प्रचार-प्रसार माध्यमों से मिली। योजना की विशेषताओं और इससे होने वाले लाभों को जानने के बाद उन्होंने अपने घर पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने का निर्णय लिया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्होंने अपने आवास पर 3 किलोवॉट एवं 4 किलोवॉट क्षमता के सोलर पैनल लगवाए। उन्होंने बताया कि पहले हर महीने बिजली बिल का भुगतान करना परिवार के नियमित खर्चों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में बिजली की खपत बढ़ने से बिल भी अधिक आता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद स्थिति पूरी तरह

बदल गई। अब उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्तमान में वे हर महीने लगभग 3500 रुपये की बचत कर रहे हैं। यह बचत परिवार की अन्य आवश्यक जरूरतों, बच्चों की शिक्षा और घरेलू खर्चों में उपयोग हो रही है।श्री साहू ने यह भी बताया कि योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई, जिससे सोलर संयंत्र लगाने की लागत काफी कम हो गई। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना केवल बिजली बिल कम करने की योजना नहीं है।

निगम के पांच वार्डो को मिली 76 लाख के विकास कार्यो की सौगात

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 61, 63, 64, 65 एवं 66 को 76 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साढ़े 36 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, तो वहीं साढ़े 39 लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसपर पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 65 भैरोताल के अंतर्गत 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से शासकीय माध्यमिक शाला में नवीन भवन एवं शौचालय का निर्माण कराया गया है, तो वहीं वार्ड क्र. 66 पंखादफाई अंतर्गत 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने इन नवनिर्मित दोनों विकास कार्यो को जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित किया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 भैरोताल में 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से दुर्गा मँदिर परिसर, छत निर्माण एवं कांक्रीट कार्य, वार्ड क्र. 61 खम्हरिया में संतलाल घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण, वार्ड क्र. 63 कुसमुण्डा प्रोजेक्ट एम.एस. में 01 लाख 81 हजार रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय निर्माण, वार्ड क्र. 63 अंतर्गत 08 लाख 07 हजार रूपये की लागत से वालबाड़ी अतिरिक्त कक्ष, पी.एस. कुसमुण्डा प्रोजेक्ट निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर परसाभांठा में अमरसाय घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण तथा वार्ड क्र. 65 आनंदनगर नवधा पण्डाल के पास 08 लाख रूपये की लागत से मंच व शेड का निर्माण किया जाना हैं, आज इन सभी विकास कार्यों का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया। छत्तीसगढ़ का हो रहा तेजी से विकास - इस अवसर पर दिये गये अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई।

रेलवन ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु बिलासपुर स्टेशन पर चलाया विशेष जागरूकता अभियान....

बिलासपुर। यात्रियों को रेलवे की डिजिटल सेवाओं से जोड़ने एवं टिकटिंग प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम तथा सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में रेलवन ऐप जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान निरंतर चलाया जा रहा है इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग द्वारा रेलवन ऐप के प्रति जागरूकता हेतु विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया इस अभियान के दौरान स्टेशन के बुकिंग कार्यालय के सामने, यात्री प्रतीक्षालय तथा प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल में यात्रियों को रेलवन ऐप की विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने यात्रियों को अपने मोबाइल फोन में रेलवन ऐप डाउनलोड करने, पंजीकरण करने तथा उसके उपयोग की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। यात्रियों को बताया गया कि रेलवन ऐप के माध्यम से आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, पीएनआर स्थिति की जानकारी, ट्रेन की लाइव लोकेशन, रेल मदद

के माध्यम से शिकायत एवं सुझाव दर्ज करने सहित रेलवे की अनेक डिजिटल सेवाओं का लाभ एक ही मंच पर आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। यात्रियों को यह भी बताया गया कि रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की जा रही है। इससे यात्रियों का समय बचता है तथा स्टेशन पर कतारों में लगने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती । अभियान के दौरान बड़ी संख्या में यात्रियों ने रेलवन ऐप डाउनलोड कर इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त की। वाणिज्य विभाग ने यात्रियों से अधिकाधिक डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने तथा अपनी रेल यात्रा को और अधिक सुविधाजनक एवं सहज बनाने की अपील की।

मंडल में राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त जी की 140 वीं जयंती मनाई गई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में आज 03 अगस्त 2026 को मंडल रेल प्रबंधक परिसर स्थित पुस्तकालय में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री के श्रीनिवास की अध्यक्षता एवं सहा. कार्मिक अधिकारी व प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री भास्कर गुहा की उपस्थिति में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की 140 वीं जयंती मनाई गई । इस अवसर पर मंडल कार्यालय परिसर स्थित विभिन्न विभागों में कार्यरत साहित्यिक अनुरागी कर्मचारीगण उपस्थित हुए । सर्वप्रथम अध्यक्ष एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । तत्श्चात मैथिलीशरण गुप्त जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए । इस अवसर पर श्री राकेश कुमार श्रीवास, लोको पायलट(गुड्स), बिलासपुर ने राष्ट्रिकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की जीवनी एवं उनकी अनुपम कृतियों पर प्रकाश डाला एवं श्री सुधीर कुमार, कार्यालय सहायक ने उनकी कविताओं का पाठ किया प्रभारी राजभाषा अधिकारी ने कहा कि हम साहित्यकारों की जयंतियाँ मना कर समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं उन्होने बताया कि जब हिन्दी साहित्य खड़ी बोली के विकास के दौर से गुजर रहा था, तब मैथिलीशरण गुप्त जी ने अपनी सरल, सहज और प्रभावशाली भाषा के माध्यम से यह सिद्ध किया कि हिंदी केवल साहित्य की भाषा ही नहीं, बल्कि समाज को जागृत करने और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम भी है उनकी रचनाओं में राष्ट्रीयता, सामाजिक चेतना, नारी सम्मान, मानवीय संवेदनाएं तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय पहचान की आधारशिला है गुप्त जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, नारी सम्मान, सांस्कृतिक गौरव तथा मानवीय संवेदनाओं को अत्यंत प्रभावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त किया अंत में उन्होने कहा कि आप सभी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ एवं संघ की राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन कर राजभाषा हिंदी के प्रयोग में उतरोत्तर वृद्धि करें

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पहल से यात्री सेवाएँ हुई और अधिक डिजिटल एवं सुगम

■ डिजिटल टिकटिंग एवं कैशलेस भुगतान को मिल रहा बढ़ावा, यात्रियों को मिल रही तेज, पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवाएँ

बिलासपुर। भारतीय रेल की डिजिटल परिवर्तन (डिजिटल ट्रांसफार्मेशन) पहल तथा भारत सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को आधुनिक, तेज, पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधारित व्यवस्थाओं का निरंतर विस्तार कर रहा है। डिजिटल टिकटिंग, कैशलेस भुगतान एवं ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से रेलवे यात्रा को अधिक सरल, सुरक्षित एवं सहज बनाया जा रहा है। यात्रियों को त्वरित एवं सुविधाजनक टिकट बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 56 स्टेशनों पर 120 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) तथा 12 स्टेशनों पर 26 मोबाइल यूटीएस (एम-यूटीएस) प्रणाली संचालित की जा रही है। डिजिटल टिकटिंग में एटीवीएम सबसे लोकप्रिय माध्यम बनकर उभरा है, जिसके माध्यम से कुल डिजिटल टिकटों का 37.07 प्रतिशत टिकट जारी किए जा रहे हैं। रेल टिकटिंग सेवाओं की पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 19 यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) तथा 4 जन टिकट बुकिंग सेवक (जेटीबीएस) केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को अपने निकट ही टिकट बुकिंग की सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल भुगतान को भी

व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) के माध्यम से डिजिटल भुगतान का प्रतिशत वर्ष 2021-22 के 1.58 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 तक 41.61 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार एटीवीएम के माध्यम से 19.67 प्रतिशत, यूटीएस के माध्यम से 11.34 प्रतिशत तथा स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) के माध्यम से 10.49 प्रतिशत भुगतान डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। यह आँकड़े दर्शाते हैं कि यात्री अब यूपीआई, क्यूआर कोड तथा अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों को तेजी से अपना रहे हैं। तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं परेशानी-मुक्त बनाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 25 जुलाई 2026 से बिलासपुर आरक्षण कार्यालय में सेल्फ-डिस्पेंसिंग पेपरलेस टोकन सिस्टम की शुरुआत की है। इस व्यवस्था से टोकन वितरण की प्रक्रिया सुव्यवस्थित हुई है, भीड़भाड़ में कमी आई है तथा यात्रियों को अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवा मिल रही है। भारतीय रेल द्वारा विकसित रेलवन ऐप भी यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से टिकट बुकिंग, ट्रेन संबंधी जानकारी तथा रेल मदद जैसी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भविष्य में भी डिजिटल टिकटिंग, कैशलेस भुगतान तथा आईटी आधारित यात्री सेवाओं का निरंतर विस्तार करते हुए यात्रियों को तेज, पारदर्शी, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रावण मास में मंगला गौरी व्रत का विशेष महत्व

श्रावण मास भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस पूरे महीने में आने वाले प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है, जिसका धार्मिक ग्रंथों में विशेष महत्व विवाहित महिलाओं के लिए बताया गया है। वर्ष 2026 में श्रावण मास के मंगला गौरी व्रत विशेष शुभ संयोगों के साथ पड़ रहे हैं, जिससे इनका धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। आइए जानते हैं मंगला गौरी व्रत का महत्व, पूजा की संपूर्ण विधि और शुभ मुहूर्त के बारे में...

मंगला गौरी व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार मंगला गौरी व्रत माता पार्वती को समर्पित है। देवी पार्वती ने कठोर तप करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। इसलिए इस व्रत को सुहाग, सौभाग्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और विधि-विधान से करने पर अखंड सौभाग्य, दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि तथा परिवार में खुशहाली बनी रहती है। वहीं अविवाहित कन्याएं भी मनचाहा और योग्य जीवनसाथी पाने की कामना से यह व्रत करती हैं। इस व्रत से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पति की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना पूरी होती है। दांपत्य जीवन में प्रेम और मधुरता बढ़ती है। संतान सुख और परिवार की समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। अविवाहित कन्याओं को योग्य वर मिलने की मान्यता है। घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

मंगला गौरी व्रत 2026 कब है?

वर्ष 2026 में श्रावण मास के मंगलवार, 04 अगस्त 2026 को मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा। यह व्रत विशेष रूप से श्रावण मास के प्रत्येक मंगलवार को किया जाता है। मंगला गौरी व्रत की पूजा प्रातःकाल या प्रदोष काल में करना विशेष फलदायी माना जाता है। यदि संभव हो तो अभिजीत मुहूर्त अथवा स्थानीय पंचांग में बताए गए शुभ चौघड़िया में पूजा करना भी उत्तम माना जाता है।

श्रावण मास के मंगला गौरी व्रत 2026 की तिथियां :

* पहला व्रत : 04 अगस्त 2026
* दूसरा व्रत : 11 अगस्त 2026
* तीसरा व्रत : 18 अगस्त 2026
* चौथा व्रत : 25 अगस्त 2026

मंगला गौरी व्रत 2026 के शुभ मुहूर्त :

04 अगस्त 2026 पहला मंगला गौरी व्रत
अभिजित मुहूर्त- 12 :00 पी एम से 12 :54 पी एम
अमृत काल- 07 :30 पी एम से 09 :06 पी एम

मंगला गौरी व्रत की पूजन विधि

प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को साफ करके लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। माता गौरी और भगवान शिव की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। माता गौरी और भगवान शिव की संयुक्त पूजा करें। देवी को लाल चुनरी, श्रृंगार सामग्री, सिंदूर, अक्षत, पुष्प और फल अर्पित करें। घी का दीपक और धूप जलाकर पूजा आरंभ करें। मंगला गौरी व्रत कथा का श्रवण या पाठ करें। माता पार्वती और भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें। अंत में आरती करें और प्रसाद वितरित करें। पूरे दिन सात्विक भोजन करें या व्रत का पालन करें। अपनी सामर्थ्य अनुसार सुहागिन महिलाओं को श्रृंगार या सुहाग सामग्री तथा अन्न का दान करें।

कावड़ यात्रा के दौरान 10 नियमों का कड़ाई से पालन जरूरी

हिंदू धर्म में श्रावण मास (सावन) का विशेष महत्व है। इस दौरान भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों (जैसे गंगा) से जल भरकर लाते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। इसे ही कावड़ यात्रा कहा जाता है। कावड़ यात्रा केवल एक पैदल यात्रा नहीं, बल्कि एक कठिन साधना और तपस्या है। शास्त्रों के अनुसार, कावड़ यात्रा के दौरान 10 नियमों का कड़ाई से पालन करने पर भगवान भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न होते हैं:

1. **कावड़ को भूमि पर न रखें**
यात्रा के दौरान कावड़ (जल से भरे कलश) को कभी भी सीधा जमीन पर नहीं रखना चाहिए। यदि विश्राम करना हो, तो इसे किसी ऊंचे स्थान, स्टैंड या पेड़ पर टांगना चाहिए। यदि कावड़ गलती से जमीन को छू ले, तो पुनः पवित्र नदी से जल भरना पड़ता है।
2. **पूर्ण सात्विकता और शुद्धता**
यात्रा की शुरुआत से लेकर जलाभिषेक तक पूरी तरह सात्विक जीवन जीएं। किसी भी प्रकार के मांस, मदिरा, लहसुन, प्याज या किसी नशीली वस्तु का सेवन सख्त वर्जित है।
3. **कावड़ की ऊंचाई और पवित्रता**
कावड़ को हमेशा अपने सिर या कंधों से नीचे न आने दें। शौच या स्नान के बाद ही स्वच्छ होकर कावड़ को स्पर्श करें। बिना हाथ-पैर धोए कावड़ को छूना वर्जित है।
4. **वाणी की मधुरता और "बम बम भोले"**
यात्रा के दौरान क्रोध न करें, गाली-गलौज या किसी की निंदा न करें। अपनी वाणी को संयमित रखें और पूरे मार्ग "बम बम भोले" या "हर हर महादेव" का जयकारा लगाते रहें।
5. **चमड़े की वस्तुओं का त्याग**
कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार के चमड़े के सामान (जैसे बेल्ट, पर्स, जूते या चप्पल) का उपयोग या स्पर्श करना मना होता है। अधिकतर कावड़िया नंगे पैर ही यात्रा करते हैं।
6. **बिना स्नान किए भोजन या विश्राम नहीं**
मार्ग में विश्राम करने या भोजन ग्रहण करने से पहले स्नान या हाथ-पैर साफ करना अनिवार्य है। गंदे हाथों से भोजन या कावड़ का स्पर्श पाप माना जाता है।
7. **शरीर और कावड़ को स्पर्श न होने दें**
कावड़ को कभी भी अपने शरीर के निचले हिस्सों या पहने हुए कपड़ों के उस हिस्से से छुआने से बचें जो अशुद्ध माने जाते हैं।
8. **यात्रा में रुकावट न डालें**
कावड़ यात्रा में अन्य कावड़ियों का सम्मान करें। किसी के रास्ते में रुकावट न बनें और न ही किसी को ठेस पहुंचाएं। साथी यात्रियों की निस्वार्थ भाव से सेवा करना भी पुण्य का काम है।
9. **कावड़ सजाने और जल की सुरक्षा**
जल भरते समय ध्यान रखें कि कलश पूरी तरह बंद या सुरक्षित हो ताकि जल छलक कर गिरे नहीं। कावड़ को फूल-मालाओं और ध्वज से सजाकर श्रद्धापूर्वक ले जाना चाहिए।
10. **अहंकार का त्याग**
कावड़ यात्रा का सबसे बड़ा नियम है "अहंकार से मुक्ति"। यात्रा के दौरान यह न सोचें कि आप कोई बहुत बड़ा काम कर रहे हैं। स्वयं को भगवान शिव का दास मानकर पूर्ण भक्ति और विनम्रता के साथ आगे बढ़ें।

सावन के चारों सोमवार के शुभ संयोग

30 जुलाई से आरंभ हुआ श्रावण मास 28 अगस्त 2026 तक चलेगा। हिंदू धर्म में सावन को शिव आराधना का सबसे श्रेष्ठ समय माना जाता है। कहते हैं कि सावन में भगवान शिव का जलाभिषेक करने और व्रत रखकर पूजा करने से जीवन के कष्ट दूर हो जाते हैं और इंसान की हर मनोकामना पूर्ण हो जाती है। इस साल सावन में चार सोमवार आने वाले हैं। खास बात यह है कि प्रत्येक सोमवार किसी न किसी शुभ योग या विशेष पर्व के साथ आ रहा है, जिससे इन दिनों का महत्व और बढ़ गया है।

सावन के चार सोमवार

पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त 2026

इस दिन सुकर्मा योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग

1. पहला सोमवार आर्थिक समृद्धि का उपाय

यदि आप आर्थिक परेशानियों, कर्ज या धन संबंधी बाधाओं से राहत चाहते हैं तो पहले सावन सोमवार को भगवान शिव का विशेष जलाभिषेक करें। तांबे या चांदी के पात्र में जल लें। उसमें थोड़ा कच्चा दूध और काले तिल मिलाकर श्रद्धापूर्वक शिवलिंग पर अर्पित करें।

2. दूसरे सोमवार शीघ्र विवाह का उपाय

यदि विवाह में लगातार विलंब हो रहा है या मनवाहे जीवनसाथी की इच्छा है, तो दूसरे सावन सोमवार का यह उपाय लाभकारी माना जाता है। 108 साबुत और बिना कटेफटे बेलपत्र लें। प्रत्येक बेलपत्र पर पीले चंदन से 'ॐ' या 'राम' लिखें। इसके बाद 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का उच्चारण करते हुए एकएक बेलपत्र शिवलिंग पर अर्पित करें।

3. तीसरे सोमवार आरोग्य वरदान का उपाय

तीसरे सावन सोमवार पर आरोग्य और मानसिक शांति की कामना से भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल चढ़ाएं। इसके बाद शमी के पत्ते और दूर्वा अर्पित करें। फिर मंदिर या पूजा स्थल पर बैठकर 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

4. चौथे सोमवार सुखी दांपत्य जीवन का उपाय

सावन के अंतिम सोमवार को भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त आराधना विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवलिंग का अभिषेक गन्ने के रस या केसर मिले दूध से करें। इसके बाद माता पार्वती को लाल चुनरी और सुहाग श्रृंगार की सामग्री श्रद्धा से अर्पित करें।

सावन माह के महीने की शुरुआत हो चुकी है। इस पूरे माह देशभर के शिवालयों में काफी भक्तिमय माहौल रहता है। इस दौरान लोग शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं और विधि-विधान से पूजा-पाठ करते हैं। सावन माह में पड़ने वाले सोमवार के दिन काफी श्रद्धालु व्रत भी रखते हैं। व्रत में सात्विक व फलाहारी भोजन करने की परंपरा है। अगर आप भी हर बार साबूदाना खिचड़ी या आलू की टिक्की खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार कुछ अलग और जल्दी बनने वाली रेसिपी ट्राई कर सकते हैं।

सावन व्रत के लिए स्वादिष्ट डिश की रेसिपी

कुट्टू-पालक चीला

सामग्री :- 1 कप कुट्टू का आटा, 1 कप बारीक कटा हुआ पालक, 2-3 बड़े चम्मच ताजा दही आधा छोटी चम्मच सेंधा नमक, एक चुटकी काली मिर्च पाउडर, आधा छोटी चम्मच भुना जीरा पाउडर, 1-2 बारीक कटी हरी मिर्च, आधा कप पानी, 2-3 छोटे चम्मच देसी घी

कुट्टू-पालक चीला बनाने की आसान विधि

एक बड़े बाउल में कुट्टू का आटा, पालक, दही, सेंधा नमक, काली मिर्च, जीरा पाउडर और हरी मिर्च डाल दें। अब पानी डालकर इसे गाढ़ा घोल बना लें और इसे 5-10 मिनट के लिए ढक कर रख दें।अब एक नॉन-स्टिक या लोहे के तवे को गर्म कर उस पर हल्का घी लगा दें। तैयार घोल को तवे पर डालकर गोल आकार में हल्के हाथ से फैला दें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक पका लें। इसे आप धनिया, मूंगफली की चटनी या दही के साथ परोस सकते हैं।

सिंघाड़े के आटे का वेज पराठा

सामग्री :-1 कप सिंघाड़े का आटा, 2 मध्यम आकार के उबले आलू मैश किए हुए आधा कप कद्दूकस की हुई लौकी (हल्का निचोड़ लें), 1-2 बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच बारीक कटा हरा धनिया, आधा छोटी चम्मच सेंधा नमक, आधा छोटी चम्मच भुना जीरा पाउडर, एक चुटकी काली मिर्च पाउडर, 2-3 बड़े चम्मच देसी घी सेंकने के लिए, जरूरत अनुसार गुनगुना पानी

सिंघाड़े के आटे का वेज पराठा बनाने का आसान तरीका

एक बड़े बाउल में सिंघाड़े का आटा, मैश किए हुए उबले आलू, कद्दूकस की हुई लौकी, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, भुना जीरा पाउडर और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब आवश्यकता अनुसार थोड़ा-थोड़ा गुनगुना पानी डालते हुए मुलायम आटा गूंथ लें और 8-10 मिनट के लिए ढककर रख दें।इसके बाद आटे की बराबर लोइयां बना लें। एक प्लास्टिक शीट या बटर पेपर पर हल्का सा सिंघाड़े का आटा लगाकर लोई को धीरे-धीरे हाथों या बेलन की मदद से पराठे के आकार में बेलें। इसे मध्यम आंच पर दोनों तरफ घी लगाकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंक लें। इसे दही, धनिया या मूंगफली की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - मंगलवार का दिन मेष राशि के जातकों के लिए धैर्य और संतुलन के साथ आगे बढ़ने का संकेत देता है। कार्यक्षेत्र में योजनाएं धीरे-धीरे गति पकड़ेंगी और कारोबारी चर्चाओं से लाभ मिलने की संभावना है। निवेश से जुड़े मामलों में सावधानी रखना आवश्यक होगा तथा बजट की अनदेखी से बचना बेहतर रहेगा। विदेश से जुड़े कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा, लेकिन निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के लिए मंगलवार उपलब्धियों और आर्थिक प्रगति का दिन साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और दक्षता की सराहना होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ और नए अवसर मिलने की संभावना है। आकर्षक प्रस्ताव मिल सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं। परिवार और सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए मंगलवार सफलता और प्रबंधन कौशल को मजबूत करने वाला दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों और सहयोगियों का साथ मिलेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता की प्रशंसा हो सकती है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी बनी रहेगी और महत्वपूर्ण योजनाएं सफल हो सकती हैं।

कर्क राशि - कर्क राशि के लिए मंगलवार भाग्य का साथ देने वाला दिन रहेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी और नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा। करियर और व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और लाभ के अवसर बढ़ेंगे। आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए मंगलवार सावधानी और समझदारी से काम लेने का दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लें। किसी भी प्रकार के अनुबंध या दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले पूरी जांच कर लें। आर्थिक मामलों में धैर्य बनाए रखना आवश्यक होगा। परिवार और करीबी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा।

कन्या राशि - कन्या राशि के लिए मंगलवार साझेदारी और टीमवर्क में सफलता दिलाने वाला दिन रहेगा। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का समर्थन मिलेगा और महत्वपूर्ण परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। साझेदारी में किए गए कार्य सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। परिवार और मित्रों के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों के लिए मंगलवार मेहनत और अनुशासन के बल पर आगे बढ़ने का दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और योजनाएं धीरे-धीरे गति पकड़ेंगी। व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने से लाभ होगा। व्यापारिक मामलों में सकारात्मक प्रगति संभव है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक जोखिम से बचें।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के लिए मंगलवार उपलब्धियों और सकारात्मक परिणामों का दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी और लक्ष्य समय पर पूरे होने की संभावना है। व्यापार में लाभ और विस्तार के संकेत हैं। सहकर्मियों और मित्रों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा और शिक्षा से जुड़े कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा तथा नए अवसर सामने आ सकते हैं।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए मंगलवार पारिवारिक और प्रबंधकीय मामलों में संतुलन बनाए रखने का दिन रहेगा। किसी भी प्रकार के अहंकार या जिद से बचना आवश्यक होगा, क्योंकि इससे रिश्तों पर प्रभाव पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। घर और परिवार से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं।

मकर राशि - मकर राशि के लिए मंगलवार संवाद और संपर्क बढ़ाने वाला दिन रहेगा। व्यापार और करियर में विस्तार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों और योजनाओं को समर्थन मिलेगा। आर्थिक मामलों में प्रगति के संकेत हैं और नए सौदों से लाभ हो सकता है। परिवार और भाई-बहनों के साथ संबंध मजबूत होंगे। साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए मंगलवार आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। बचत और निवेश से जुड़े प्रयास सफल हो सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को गति मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा तथा नए संपर्क लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

मीन राशि- व्यापार में लाभ के साथ बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। जीवनसाथी से कोई खास उपहार या सरप्राइज मिल सकता है। यात्रा या किसी महत्वपूर्ण कार्य पर निकलने से पहले आवश्यक दस्तावेज अवश्य जांच लें। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी और ऊर्जा बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

बारिश के मौसम में रखें सेहत का ध्यान

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन साथ ही सर्दी-जुकाम, वायरल इन्फेक्शन और पेट से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इस मौसम में नमी और बैक्टीरिया तेज़ी से बढ़ते हैं, इसलिए मज़बूत इम्यून सिस्टम बनाए रखना बहुत जरूरी है। हालांकि कोई एक चीज़ बीमारी को पूरी तरह रोक नहीं सकती, लेकिन संतुलित आहार में कुछ खास चीज़ों को शामिल करने से इम्यून सिस्टम को बेहतर गदद मिल सकती है।

1. हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन अपने एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। इसे दूध, सूप या सब्जियों में मिलाकर खाया जा सकता है।

2. अदरक

बारिश के मौसम में अदरक की चाय या अदरक का सीमित मात्रा में सेवन करने से गले को आराम मिलता है और पाचन में मदद मिलती है। अदरक में मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर की सामान्य रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को बनाए रखने में मदद करते हैं।

3. खट्टे फल

संतरा, अमरूद और नींबू जैसे फल विटामिन C के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन C इम्यून सिस्टम के सामान्य कामकाज में अहम भूमिका निभाता है। ध्यान रखें कि फल ताज़े हों और खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह धो लिया जाए।

4. दही

ताज़े दही में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स पेट की सेहत को अच्छा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। सेहतमंद पेट को समग्र स्वास्थ्य और इम्यूनिटी के लिए ज़रूरी माना जाता है। अगर मौसम की वजह से दही खाने में कोई परेशानी हो, तो अपने शरीर की ज़रूरतों के हिसाब से इसका सेवन करें।

5. लहसुन

लहसुन में पाए जाने वाले एलिसिन जैसे तत्व सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। इसे दाल, सब्ज़ी या सूप में मिलाकर डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

6. नट्स और बीज

बादाम, अखरोट, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीजों में विटामिन E, जिंक और हेल्दी फैट्स होते हैं। ये पोषक तत्व शरीर के सामान्य इम्यून सिस्टम को बनाए रखने में मदद करते हैं।

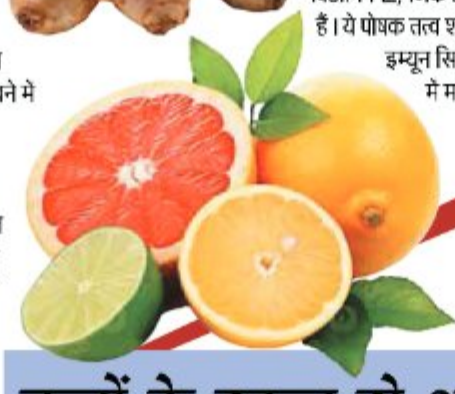

बच्चों के स्कूल से आने के बाद उनसे जरूर पूछें ये सवाल...

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार माता-पिता बच्चों से यह पूछकर ही बात खत्म कर देते हैं कि, "आज स्कूल कैसा था?" और अक्सर जवाब मिलता है, "ठीक था।" लेकिन अगर आप बच्चे के मन की बात जानना चाहते हैं और उसके साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो कुछ खास सवाल पूछना बेहद जरूरी है। ये सवाल न केवल बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि उसे यह एहसास भी कराते हैं कि आप उसकी बातों और भावनाओं को महत्व देते हैं।

1. आज स्कूल में सबसे अच्छी बात क्या हुई?

यह सवाल बच्चे को दिनभर की सकारात्मक घटनाओं को याद करने का मौका देता है। जब बच्चा अपने अच्छे अनुभव साझा करता है, तो उसके चेहरे पर खुशी आती है और उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इससे वह सकारात्मक सोच विकसित करना सीखता है।

2. क्या आज कोई ऐसी बात हुई जिसने तुम्हें परेशान किया?

हर दिन बच्चों के लिए आसान नहीं होता। कभी दोस्तों से झगड़ा, कभी पढ़ाई का दबाव या किसी शिक्षक की डांट उन्हें परेशान कर सकती है यह सवाल पूछने से बच्चा खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर पाता है। साथ ही, माता-पिता समय रहते उसकी समस्याओं को समझ सकते हैं।

3. आज तुमने कौन-सी नई चीज सीखी?

यह सवाल बच्चे को सीखने की प्रक्रिया के प्रति उत्साहित करता है। जब वह नई जानकारी या अनुभव साझा करता है, तो उसे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है। इससे सीखने के प्रति उसकी रुचि और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

4. आज तुमने किसी की मदद की या किसी ने तुम्हारी मदद की?

यह सवाल बच्चों में संवेदनशीलता और सामाजिक व्यवहार विकसित करने में मदद करता है। इससे वे दूसरों की मदद करने और सहायता स्वीकार करने का महत्व समझते हैं। साथ ही, उन्हें रिश्तों और सहयोग की अहमियत का भी एहसास होता है।

5. कल स्कूल में किस बात का सबसे ज्यादा इंतजार है?

यह सवाल बच्चे को भविष्य के प्रति उत्साहित बनाता है। वह अगले दिन की योजनाओं, गतिविधियों या दोस्तों से मिलने को लेकर अपने विचार साझा करता है। इससे उसकी सोच सकारात्मक रहती है और वह अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बात करना सीखता है।

भिलाई में विकास कार्यों पर निगम आयुक्त का सख्त एक्शन, सड़क चौड़ीकरण से लेकर सीवरेज और पीएम आवास परियोजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

सूर्या मॉल चौक होगा लेफ्ट फ्री, दाऊ बाड़ा तालाब, खुर्सीपार गारमेंट फैक्ट्री, इंडोर स्टेडियम और सीवरेज परियोजना की प्रगति पर अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह ने मॉर्निंग विजिट के दौरान शहर में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण परियोजनाओं का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क, सीवरेज, आवास, स्वच्छता, तालाब सौंदर्यीकरण तथा खेल अधोसंरचना से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। आयुक्त ने सबसे पहले नेहरू नगर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे मधु मेमोरियल की रिक्त भूमि का अवलोकन किया। इसके बाद शहर के व्यस्त सूर्या मॉल चौक का निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए चौक को लेफ्ट फ्री करने तथा सड़क चौड़ीकरण की कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कार्य पूर्ण होने के बाद इस क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी और नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके पश्चात आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित मेट्रोपॉलिश आवास परिसर में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण में तेजी लाने तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान राधिका नगर स्थित दाऊ बाड़ा तालाब की प्रकाश व्यवस्था, साफ -सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा भी की गई। आयुक्त ने तालाब परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाए रखने के लिए नियमित सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक विकास कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने खुर्सीपार गारमेंट फैक्ट्री के निर्माण एवं प्रस्तावित संचालन की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्होंने परियोजना को निर्धारित समय में पूर्ण कर रोजगार सृजन की दिशा में तेजी से कार्य करने पर जोर दिया। आयुक्त ने खुर्सीपार में निर्माणाधीन सीवरेज लाइन का भी भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए तय समय-सीमा में परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को शीघ्र बेहतर सीवरेज सुविधा उपलब्ध हो सके।

मैदान पर हरियाली बिखरने खिलाड़ियों की पहल, किया पौधारोपण

लीजेंड क्रिकेटर्स ने किया सामूहिक प्रयास, म्युनिसिपल स्कूल मैदान में रोपे पौधे

खिलाड़ियों ने कहा मैदान कम, अब उन्हें सहेजने की जरूरत, करेंगे हर प्रयास

राजनांदगांव। म्युनिसिपल स्कूल मैदान में लीजेंड क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों ने पौधारोपण किया। यहां तकरीबन 50 से अधिक पौधे रोपे गए। खिलाड़ियों ने कहा कि वे मैदान से लंबे समय से जुड़े हुए हैं, मैदान और पर्यावरण दोनों की ही सुरक्षा करना उनका कर्तव्य है। इसी कड़ी में संकल्प के साथ खिलाड़ियों ने मैदान के दो छोर पर पौधारोपण का कार्य किया। इस दौरान शहर के सभी सीनियर और जूनियर खिलाड़ी मौजूद रहे। प्रशांत शर्मा ने कहा कि हर जगह पौधारोपण का कार्य हो रहा है, इस कारण हम खिलाड़ियों का भी कर्तव्य बनता है कि हम भी अपने मैदान को सुंदर बनाए। मोहम्मद हनीफ ने कहा कि मैदान पर हरियाली रहे और यहां आने वाले खिलाड़ियों को सुकुन मिले, इसके लिए यह सामूहिक प्रयास किया गया है। सीनियर खिलाड़ियों ने कहा कि इस तरह क प्रयास मैदान को लेकर किया जाना चाहिए। ताकि आने वाले पीढ़ियों के लिए मैदान सुरक्षित और हरा-भरा रहे। साथ ही उन्हें यह प्रेरणा मिले कि भविष्य में भी मैदान को लेकर वे जागरूक रहे। खिलाड़ियों ने कहा कि शहर में वैसे ही मैदानों की संख्या कम हैं, इस कारण जागरूक होना जरूरी है। साथ ही पर्यावरण को लेकर भी सजग होने की आवश्यकता है। इस कारण ही यह प्रयास किया गया है। आने वाले दिनों में मैदान को सहेजने को लेकर जो भी प्रयास होगा, उसे लेकर खिलाड़ियों ने संकल्पित होने की बात कही। इस अवसर पर अभिषेक शर्मा, विकास श्रीवास्तव, दीपेश शर्मा, राहुल देवांगन, शंकर राजपूत, महजीब खान, नकुल देवांगन, रूपेश कुमार, राम गोयल, उमेश कुमार व अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे।

निकली भगवान चंद्रमौलेश्वर महाकाल की प्रथम सावन सोमवार पालकी यात्रा

शिवभक्ति, भजन-कीर्तन और पारंपरिक प्रस्तुतियों से शिवमय होगा शहर

राजनांदगांव। सावन माह के पहले सोमवार को भगवान चंद्रमौलेश्वर महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई। महाकाल सेना भक्त मण्डल के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों ने बड़ी संख्या में भक्तों से पालकी यात्रा में शामिल होकर भगवान चंद्रमौलेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। महाकाल सेना के अनुसार पालकी यात्रा दोपहर 1 बजे नंदई हॉट बाजार से प्रारंभ होगी। यात्रा इंदिरा नगर चौक, बासपाई पारा, दुर्गा चौक, गांधी चौक, महाकाल चौक, आजाद चौक, गुड़ाखू लाइन एवं गोल बाजार से होते सत्यनारायण मंदिर से महालक्ष्मी मंदिर, हमाल पारा पहुंचेगी, जहां यात्रा का विश्राम होगा। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भगवान महाकाल की आरती, पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया जाएगा। भजन-कीर्तन, पारंपरिक वाद्य यंत्रों और भगवान शिव के जयघोष से पूरा मार्ग शिवमय वातावरण में सराबोर रहेगा। महाकाल पालकी यात्रा के प्रमुख पवन डागा ने बताया कि धार्मिक मर्यादा और अनुशासन को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी यात्रा में डीजे का उपयोग नहीं किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी गई है। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने वाला गेड़ी नृत्य यात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेगा। छग पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा ने बताया कि पालकी यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं से सनातन परंपराओं के अनुरूप वेशभूषा धारण करने का आग्रह किया गया है। यात्रा के दौरान सेवा कार्यों के तहत विभिन्न स्थानों पर जलपान, शीतल पेय, प्रसाद वितरण एवं प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों ने बताया कि उज्जैन महाकाल की तर्ज पर निकाली जाने वाली यह पालकी यात्रा अब संस्कारधानी की पहचान बन चुकी है। सावन माह के प्रत्येक सोमवार को निकलने वाली इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल है।

केंद्रीय जेल में आकस्मिक निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर उपजेल अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस किया जारी

दुर्ग। जिला कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने केन्द्रीय जेल दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। जेल परिसर भ्रमण के दौरान उन्होंने कल्याण शाखा, उद्योग शाखा, जेल अस्पताल, कम्प्यूटर प्रशिक्षण/ एल.ई.डी. बल्ब उद्योग, नव निर्मित बैरक एवं अस्पताल भवन, पाकशाला, नवीन जेल, प्रिजनर कॉलिंग, एम.सी.यू. कक्ष, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, निर्वाह शाखा, विधि शाखा, वारंट शाखा, लेखा शाखा, सी.सी.टी.वी. कक्ष तथा महिला प्रकोष्ठ का बारीकी से अवलोकन किया। वारंट शाखा में विचाराधीन एवं कैदी वारंटों का जायजा लेते हुए उन्होंने विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई हेतु बंदियों की अधिक से अधिक पेशी वर्चुअल माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने पीड़ित पक्ष की लंबित राशि के भुगतान संबंधी जानकारी शीघ्र प्राप्त कर समिति में प्रस्तुत करने तथा भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जेल में नवनिर्मित भवनों (बैरक एवं स्टॉफ क्वार्टर) के यथाशीघ्र उपयोग हेतु निर्देशित किया, वहीं बंदियों द्वारा निर्मित बैरक को लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हैंडओवर करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जेल के उद्योग सेक्शन में शेड निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग से स्टीमेट प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा जेल परिसर में पानी निकासी हेतु नाली की नियमित सफाई कराने के भी निर्देश दिए। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया कि बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को विभिन्न जेलों, न्यायालयों सहित अन्य विभागों को उनकी मांग के आधार पर निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जाता है। इस पर कलेक्टर सिंह ने बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की अधिकाधिक बिक्री सुनिश्चित करने हेतु अधीक्षक को आवश्यक सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जेल द्वारा संचालित गौशाला का भी अवलोकन किया। इस दौरान उप जेल अधीक्षक (उद्योग) अशोक कन्नौजिया निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध पुरुष बंदी 2273 एवं महिला बंदी 134 (05 बच्चे सहित) लॉकअप में रहे।

दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का होगा शुभारंभ, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे नवीन स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का उद्घाटन

दुर्ग । प्रदेश में पंजीयन सेवाओं को अधिक अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे, जबकि वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जिला पंजीयक प्रियंका श्रीरंगे से मिली जानकारी अनुसार स्मार्ट पंजीयन कार्यालय के शुभारंभ के साथ दुर्ग संभाग के नागरिकों को तकनीक आधारित, त्वरित एवं पारदर्शी पंजीयन सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यालय में संपूर्ण पंजीयन प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिसके अंतर्गत ई-अपॉइंटमेंट, डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल हस्ताक्षर, बायोमेट्रिक सत्यापन, उच्च गुणवत्ता की दस्तावेज़ स्कैनिंग तथा सुरक्षित डिजिटल अभिलेखीकरण जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। पंजीकृत दस्तावेज़ों की प्रमाणित प्रति सीधे व्हाट्सएप पर प्राप्त होगी तथा स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान यूपीआई, नेट बैंकिंग अथवा कार्ड के माध्यम से कैशलेस तरीके से किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि कार्यालय में स्वतः नामांतरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस व्यवस्था के माध्यम से भूमि पंजीयन के साथ ही राजस्व अभिलेखों में क्रेता का नाम स्वतः दर्ज हो जाएगा। इससे अलग से नामांतरण के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी तथा नागरिकों के समय एवं श्रम दोनों की बचत होगी। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यालय में वातानुकूलित एवं सुव्यवस्थित प्रतीक्षालय, डिजिटल टोकन प्रणाली, हेल्प डेस्क, निःशुल्क वाई-फाई, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, सीसीटीवी निगरानी तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया लगभग 15 से 20 मिनट में पूर्ण की जा सकेगी।

दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना अब पूरी तरह ऑनलाइन, 30 सितंबर तक करना होगा आवेदन

दुर्ग । राज्य सरकार की दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना को अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा योजना को भारत सरकार के नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर ऑनबोर्ड कर दिया गया है। अब दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करनी होगी। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि सीधे डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से जमा की जाएगी। समाज कल्याण के उपसंचालक ए.पी. गौतम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 07 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी हैं। पात्र छात्र-छात्राएं 30 सितंबर 2026 तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों का सत्यापन दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में संबंधित विद्यालय अथवा शिक्षण संस्था द्वारा आवेदनों की जांच एवं सत्यापन किया जाएगा, जिसकी अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके पश्चात द्वितीय चरण में जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा आवेदनों का परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। इस चरण के सत्यापन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। दोनों स्तरों पर सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पात्र पाए गए विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा तथा छात्रवृत्ति की राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी।

मोतीपुर से अमलेश्वर तक कांग्रेस की ट्रैक्टर रैली, देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

अमलेश्वर। पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोतीपुर अमलेश्वर डीह में कांग्रेस पार्टी द्वारा रविवार को ट्रैक्टर रैली एवं बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ओबीसी प्रकोष्ठ पाटन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय यदु, पूर्व नगर अध्यक्ष अमलेश्वर उमेश साहू, विधानसभा युवा कांग्रेस प्रत्याशी सौरभ कामड़े तथा भोला वर्मा ने किया। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर रैली मोतीपुर से अमलेश्वर तक निकाली गई, जिसके बाद अमलेश्वर में बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई नगर विधायक एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव देवेंद्र यादव रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने हॉर्टिकल्चर कॉलेज के छात्रों द्वारा निकाली गई नशा मुक्ति जागरूकता रैली में मोतीपुर चौक पर शामिल होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात पांच ट्रैक्टर एवं लगभग 20 चार पहिया वाहनों के साथ रैली मोतीपुर चौक से प्रस्थान कर अमलेश्वर तिरंगा चौक होते हुए डीह बस्ती पहुंची। वहां से बैलगाड़ी के माध्यम से कबीर चौक वार्ड क्रमांक 8 स्थित कार्यक्रम स्थल तक विधायक का स्वागत जुलूस निकाला गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संजय यदु ने किया। युवा कांग्रेस प्रत्याशी सौरभ कामड़े एवं भोला वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी युवा कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की। मुख्य अतिथि देवेंद्र यादव ने अपने संबोधन में युवा कांग्रेस प्रत्याशी सौरभ कामड़े के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने राज्य में नकटी गांव में हुई बेदखली की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि भिलाई में भी 1200 मकानों को तोड़कर उद्योगपतियों को बसाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अवैध शराब, नशे और बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार इन पर नियंत्रण करने में विफल रही है।

रेल परियोजना पर श्रेय लूटने की राजनीति बंद करे भाजपा : अभिमन्यु उदय मिश्रा

राजनांदगांव। डोंगरगढ़-कटघोरा नई रेल लाइन परियोजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा जिस प्रकार श्रेय लेने की होड़ मची है, वह जनता को भ्रमित करने का एक असफल प्रयास है। सच्चाई यह है कि यह परियोजना वर्ष 2018 में तत्कालीन सांसद अभिषेक सिंह के कार्यकाल में स्वीकृत हुई थी तथा उसका विधिवत शिलान्यास भी किया जा चुका था।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा ने कहा कि भाजपा के ही नेताओं और पदाधिकारियों के हालिया बयानों तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित वक्तव्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि वे स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि वर्ष 2018 में तत्कालीन सांसद अभिषेक सिंह, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और तत्कालीन रेल मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों से इस परियोजना को स्वीकृति मिली थी। ऐसे में आज वर्तमान सांसद द्वारा उसी परियोजना को दोबारा स्वीकृत कराने का श्रेय लेना जनता के साथ छल और राजनीतिक दिखावा है। उन्होंने कहा कि यदि यह परियोजना पहले से स्वीकृत थी, शिलान्यास हो चुका था और इसकी प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, तो भाजपा यह बताए कि पिछले आठ वर्षों में इस परियोजना को धरातल पर उतारने में इतनी देरी क्यों हुई आखिर किसकी सरकार थी और किसकी जिम्मेदारी थी अभिमन्यु ने यह भी कहा कि जनता अब केवल शिलान्यास, घोषणाओं और श्रेय की राजनीति नहीं, बल्कि वास्तविक कार्य चाहती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास कार्यों का कभी विरोध नहीं करती, बल्कि हर जनहितकारी परियोजना का स्वागत करती है। किंतु इतिहास को तोड़-मरोड़कर जनता के सामने परोसना और पहले से स्वीकृत परियोजना को अपनी नई उपलब्धि बताना राजनीतिक ईमानदारी के खिलाफ है।

श्रमायुक्त कार्यालय पहुंचे डॉ. सिंह

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉक्टर रामप्रताप सिंह श्रम विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राजनांदगांव से लौटते वक्त सहायक श्रमायुक्त कार्यालय दुर्ग आगमन हुआ। यहां पर उनका फूल माला एवं गुलदस्ता से अधिकारी कर्मचारी ने स्वागत किया। उन्होंने कार्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारियों से मुलाकात की और श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी अधिकारी और कर्मचारियों से लिया। उन्होंने कहा कि श्रमिक वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, उन्हें अच्छे से क्रियान्वयन करें। साथ ही उन्होंने कहा कि गांव गरीब किसान मजदूर के हित के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। श्रमिकों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें प्रथम दो बच्चों को छठवीं से लेकर 12वीं तक आवास विद्यालय में गुणवत्ता निशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर श्रमिक पंजीयन करने से उन्हें शासन के योजनाओं का लाभ मिलेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष के निज सचिव त्रियंबक राव सोनटेके, सहायक श्रमायुक्त पायल शर्मा, श्रम कल्याण अधिकारी डॉक्टर टूकेंद्र कुमार एवं सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु निरंतर मिलाप कार्यक्रम 5 अगस्त को

दुर्ग। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय दुर्ग के प्रांगण में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री रेजिमेंट के प्रतिनिधियों के सहयोग से भूतपूर्व सैनिकों के लिए निरंतर मिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला दुर्ग, बालोद, कबीरधाम एवं बेमेतरा में निवासरत केवल आर्मी के भूतपूर्व सैनिक शामिल हो सकेंगे। यह कार्यक्रम 5 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को बचाने और बढ़ावा देने की एक पहल

संगीत नाटक अकादमी ने आईआईटी भिलाई के साथ मिलकर 'प्रातिज्ञ' का आयोजन किया

दुर्ग। भारत सरकार की संगीत नाटक अकादमी का सांस्कृतिक कार्यक्रम 'प्रातिज्ञ', आईआईटी भिलाई कैंपस के नालंदा लेक्चर हॉल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 'सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑन कल्चर, लैंग्वेज एंड ट्रेडीशन्स' (सीसीएलटी) की साझेदारी में आयोजित किया गया था। सीसीएलटी, आईआईटी भिलाई का एक रिसर्च सेंटर है जो सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और टिकाऊ विकास के क्षेत्रों में सामाजिक रूप से असरदार रिसर्च पर काम करता है। 'प्रातिज्ञ' अकादमी का एक नियमित कार्यक्रम है, जिसमें संगीत, नृत्य, नाटक और लोक व आदिवासी कलाओं के जाने-माने कलाकार और विद्वान व्याख्यान-प्रदर्शन के ज़रिए अपने अनुभव साझा करते हैं। छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाला 'प्रातिज्ञ' का यह पहला संस्करण है। इस कार्यक्रम में राज्य की शास्त्रीय, लोक और आदिवासी नृत्य शैलियों के तीन जाने-माने कलाकारों ने व्याख्यान-प्रदर्शन दिएरू रायगढ़ घराने के मशहूर कथक गुरु और पद्म व संगीत नाटक अकादमी रत्न फेलोशिप पाने वाले रामलाल बारेठ; बैगा नृत्य गुरु और पद्म व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता अर्जुन सिंह धुर्वे; और नाचा (लोक थिएटर) के कलाकार व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता काशीराम साहू। कार्यक्रम में पद्म और बस्तर बैंड के संस्थापक अनूप रंजन पांडे और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार विजेता घनीराम कड़ामिया भी मौजूद थे। आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश ने स्वागत भाषण दिया और कलाकारों का सम्मान किया। अपने स्वागत भाषण में, प्रो. प्रकाश ने कहा कि 'प्रातिज्ञ' छत्तीसगढ़ की समृद्ध और विविध कलात्मक विरासत को बचाने और उसे आगे बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आईआईटी भिलाई स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों को कलाकारों से जोड़कर और इसे पाठ्यक्रम में शामिल करके समृद्ध संस्कृति और कला को बचाने और बढ़ावा देने की पहल कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 'प्रातिज्ञ' जैसे कार्यक्रम छात्रों को राज्य की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत के बारे में और जानने और सीखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और इन कलाओं को सीखने में उनकी रुचि जगाते हैं। इस कार्यक्रम में गुरुओं और उनके शिष्यों के व्याख्यान-प्रदर्शन शामिल थे। पहले हिस्से में रामलाल बारेठ के शिष्यों ने कथक की प्रस्तुति दी, जिसके बाद बारेठ ने व्याख्यान-प्रदर्शन दिया। इसमें उन्होंने रायगढ़ बंदिश और तराना की बारीकियों और खासियतों के बारे में बताया। उनके लेक्चर ने दर्शकों को उस्ताद से कथक के रायगढ़ घराने की अनोखी शैली को समझने का शानदार मौका दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com